वर्ष : 17 ❖ अंक : 45 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
गुरुवार, 15 सितम्बर 2022

समस्याओं से पलायन करने वाले खो देते हैं जनविश्वास : योगी 3

सुप्रीम कोर्ट ने बीसीसीआई संविधान में संशोधन की अनुमति दी 8

सिक्किम सरकार ने श्रमिकों के न्यूनतम मजदूरी में की वृद्धि

बढ़ी मजदूरी जुलाई माह से ही होगी लागू : मंत्री शर्मा

अकुशल श्रमिकों को मिलेगी 500 रुपये दैनिक मजदूरी

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 14 सितम्बर । सिक्किम के एल्केम फार्माकर्मचारियों के विरोध तथा एसपीवाईएफ के तीन सदस्यों की गिरफ्तारी के एक दिन बादबुधवार को राज्य में श्रम मंत्री लोक नाथ शर्मा ने फार्मा कंपनी के कर्मचारियों कोसे शांतिपूर्ण तरीके से अपने काम में वापस लौटने का आग्रह किया है।

गौरतलब है कि विभाग द्वारा पुनर्निर्धारित नये वेतनमान की अधिसूचना भी बुधवार को जारी कर दी गयी है। मंत्री शर्मा ने बतायाकि मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने मंगलवार को ही नये वेतनमान को अनुमोदित करदिया था और आज इसकी सरकारी अधिसूचना जारी कर दी गयी है। इसी के साथ दिल्ली औरअंडमान निकोबार के बाद सिक्किम देश में श्रमिकों के सर्वाधिक न्यूनतम वेतन वालाराज्य बन गया है।

इससे पहले एक मई को श्रम दिवस के अवसर परही मुख्यमंत्री ने राज्य में श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतनमान को पुनर्निर्धारण कीघोषणा की थी। उसके बाद 11 जुलाई को विभागद्वारा एक अधिसूचना जारी कर सभी सम्बंधित हितधारकों से इस सम्बंध में आपत्तियां, सुझाव एवं विचार देने कोकहा गया था। इस पर कुल 14 प्रस्ताव प्राप्तकिये गये थे। उन पर विचार-विमर्श के बाद 13सितम्बर को विभाग द्वारा सरकार को एकरिपोर्ट सौंपी गयी थी। उधर, इस मुद्दे में देरी को देखते हुए कल से श्रमिकों ने आंदोलनशुरू कर दिया था।

मंत्री ने कहा कि विभिन्न कंपनियों की ओरसे सुझाव प्रदान किए गए थे। इन सुझावों के अध्ययन में थोड़ा समय लगा जिससे अधिसूचनाजारी करने में देरी हुई। लेकिन विभाग ने दो-तीन दिनों में दिन रात एक कर अधिसूचना कोतैयार कर इसे मंजूरी प्रदान की। खास बात यह है कि भले ही विभाग ने अब अधिसूचना जारीकी है लेकिन इसे जुलाई माह से ही लागू किया गया है। श्रमिकों को पिछले दो माह का वेतनभत्ता के रूप में प्रदान किया जाएगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार न्यूनतम वेतनको चार वर्गों में निर्धारित किया गया है। नये वेतनमान के अनुसार अकुशल श्रमिकोंको प्रतिदिन 500 रुपए, अर्ध कुशल श्रमिकों को 520 रुपए, कुशल श्रमिकों को 535 रुपए और उच्च कुशल श्रमिकोंको 565 रुपए दिहाड़ी दीजायेगी। वहीं कार्य क्षेत्र की ऊंचाई का ध्यान रखते हुए भी सरकार ने प्रावधान किये हैं। इसके अंतर्गत 8000 फीट तक की ऊंचाई वालेस्थानों पर कार्यरत श्रमिकों को सामान्य वेतन दिया जायेगा। 8001 से 12000 फीट तक की ऊंचाई वालेस्थानों पर कार्यरत श्रमिकों को उनके सामान्य वेतन से 50 फीसदी अधिक भुगतान होगा और 12001 से 16000 फीट की ऊंचाई पर कार्यरतश्रमिकों को सामान्य वेतन से 75 फीसदी अधिक दिया जायेगा।

इस अवसर पर श्रम मंत्री ने शीघ्र ही राज्यमें श्रमिकों के लिए 100 बिस्तरों वाले अस्पताल निर्माण की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने ई-श्रम कार्ड पंजीकरण पर जोर देते हुए संगठित तथागैर-संगठित सभी क्षेत्रों के श्रमिकों को इसके दायरे में लाने की बात कही। प्रेस कांफ्रेंस को श्रम सचिव नम्रता थापा ने भी सम्बोधित किया।

योजनाओं के कार्यान्वयन में लाएं तेजी : केंद्रीय मंत्री

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 14 सितम्बर । केंद्रीय पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस एवं श्रम व रोजगार राज्य मंत्री रामेश्वर तेली आज स्थानीय ताशीलिंग सचिवालय में संभावित जिले गेजिंग तथा सोरेंग की प्रगति की समीक्षा हेतु एक बैठक की। इसमें गेजिंग डीसी श्रीमती यिशे डी योंगदा तथा सोरेंग डीसी भीम ठटाल के अलावा केंद्रीय राज्य मंत्री के अतिरिक्त सलाहकार डॉ. भागीरथ चौधरी एवं अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

बैठक की शुरुआत में डीसी यिशे डी योंगदा ने पावर प्वॉयंट प्रस्तुति के माध्यम से पश्चिम जिला में केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं तथा रोड मैप के बारे में जानकारी पेश की। उसके बाद एक खुली चर्चा में केंद्रीय मंत्री ने सभी विभागीय अधिकारियों से चर्चा कर विभिन्न केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं के कार्यान्वयन एवं प्रगति की जानकारी हासिल की।

इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विभाग को मुद्दों के त्वरित निष्पादन के माध्यम से योजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी लानी चाहिए। वहीं उन्होंने राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग तथा ढांचागत विकास कार्यों के बारे में जानकारी ली और सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये। वहीं उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों से कोविड बूस्टर डोज को सभी योग्य लोगों तक पहुंचाने को कहा।

चर्चा के बाद मंत्री ने बातचीत में कहा कि राज्य ने पश्चिम जिला में मजबूत ढांचागत विकास कार्यों के लिए सकारात्मक रुख अख्तियार किया है। उन्होंने आईसीडीएस अधिकारियों से आंगनबाड़ी क्षेत्र में कार्यबल बढ़ाने को भी कहा। साथ ही उन्होंने पश्चिम जिले में केंद्र प्रायोजित योजनाओं के कार्यान्वयन में रूचि दिखाते हुए अपना हर संभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन भी दिया। इसके बाद केंद्रीय मंत्री ने राज्य के मंत्री लोक नाथ शर्मा के साथ ज्ञान मंदिर निर्माण का मुआयना भी किया। उसके बाद अपने संक्षिप्त वक्तव्य में मंत्री ने राज्य में श्रम क्षेत्र में सरकार द्वारा किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। इसमें उन्होंने ई-श्रम योजना का भी जिक्र किया। इस अवसर पर उन्होंने भवन एवं अन्य निर्माणों से जुड़ श्रमिकों में स्वास्थ्य कार्ड भी वितरित किये।

शिक्षा से ही मानव का चौतरफा विकास संभव : सी.पी. शर्मा

अनुगामिनी नि.सं.

सोरेंग, 14 सितम्बर । सरकारी माध्यमिक विद्यालय, तिक्पुर के तत्वावधान में आयोजित स्वर्ण जयंती समारोह के तीसरे दिन आज मुख्यमंत्री के प्रेस सलाहकार सीपी शर्मा मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। उनके अलावा समारोह में पूर्व मंत्री रण बहादुर सुब्बा, एसकेएम के पश्चिम सिक्किम कोषाध्यक्ष एलएन शेर्पा, सीएलसी अध्यक्ष टीका हांग सुब्बा, समारोह समिति के अध्यक्ष एवं तिक्पुर स्कूल की प्रधानाध्यापिका मेरीगोल्ड लक्सम, आयोजक समिति प्रभारी मंजीत लेख्चा के अलावा विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुख तथा अन्य गणमान्य लोग भी यहां मौजूद रहे।

इस अवसर पर अपने संक्षिप्त वक्तव्य में सीपी शर्मा ने स्वर्ण जयंती पर स्कूल प्रबंधन को बधाई देते हुए राज्य के विकास तथा समाज निर्माण में तिक्पुर स्कूल के महत्वपूर्ण योगदान की बात कही। उन्होंने कहा कि स्कूल में ही हमें असफलता के बाद नये जोश से सफलता की ओर आगे बढ़ना सिखाया जाता है। शिक्षा से मानव का चौतरफा विकास सम्भव है।

उल्लेखनीय है कि 1972 में तिक्पुर स्कूल की कमिटी का गठन किया गया था। उसके बाद 1973 में इस स्कूल को सरकारी मान्यता मिली और प्राथमिक स्कूल के रुप में शुरू हुए इस शिक्षा संस्थान को 1998 में निम्न माध्यमिक और 2009 में माध्यमिक स्तर के स्कूल की मान्यता मिल गयी।

आज स्वर्ण जयंती समारोह के मुख्य आकर्षण के तौर पर पुरूषों के प्रखंड स्तरीय फुटबॉली प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसमें दरमदिन समष्टि की कुल 16 टीमों ने हिस्सा लिया।

प्रतियोगिता की विजेता और उप-विजेता टीमों को नगद क्रमश: डेढ लाख और एक लाख रुपए के साथ आकर्षक ट्रॉफियां से सम्मानित किया गया। वहीं यहा वार्ड स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता भी हुई जिसके विजेता खिलाड़ी को नगर 20 हजार और उप-विजेता खिलाड़ी को 15 हजार रुपए और ट्रॉफियां प्रदान की गयीं।

साथ ही यहां प्राथमिक स्कूलों के विद्यार्थियों की विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं के साथ ही अंतर विद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता भी हुईं।

सिक्किम के प्रतिनिधिमंडल ने की दलाई लामा से मुलाकात

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 14 सितम्बर । सिक्किम सरकार के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री सोनम लामा के नेतृत्व में 14वें दलाई लामा से मुलाकात की। इस अवसर पर सिक्किम वासियों की तरफ से मंत्री लामा ने दलाई लामा से उनका आशीर्वाद मांगा तथा अक्टूबर के आखिरी में सिक्किम आने हेतु निमंत्रित भी किया।

इस दौरान महामहिम दलाई लामा ने मंत्री का निमंत्रण स्वीकार करते हुए सिक्किम आने की इच्छा जतायी। साथ ही उन्होंने मंत्री से सिक्किम के बारे में जानकारी हासिल की। इस सम्बंध में सिक्किम के मुख्यमंत्री ने कहा, मैं काफी खुश हूं कि महामहिम दलाई लामा ने सिक्किम आने हेतु हमारा निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। उनकी राज्य में उपस्थिति से श्रद्धालुओं तथा आमलोगों के लिए काफी उपकार होगा।

भाजपा दूसरे राज्यों से गुंडों को लेकर आई : ममता

कोलकाता, 14 सितम्बर (एजेन्सी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को आरोप लगाया कि भाजपा मंगलवार को राज्य सचिवालय नबन्ना तक अपने मार्च के दौरान हंगामा करने के लिए दूसरे राज्यों के गुंडों को लेकर आई।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पूर्वी मिदनापुर जिले में एक प्रशासनिक समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए कहा, 'बीजेपी उस हंगामे में शामिल होने के लिए लोगों को ट्रेनों के जरिए लेकर आई। यहां तक कि दूसरे राज्यों से भी गुंडे लाए गए, जिन्होंने ईंट-पत्थर और बम फेंके, जहां कई पुलिसकर्मी घायल हो गए।' उन्होंने कहा, 'मैं आग्नेयास्त्रों और बमों के साथ आंदोलन करने वाले लोगों को बर्दाश्त नहीं करूंगी।'

बनर्जी ने यह भी कहा कि कानून उन लोगों के खिलाफ अपनी कार्रवाई करेगा, जो परेशानी पैदा करने और पुलिस वाहनों को आग लगाने के लिए जिम्मेदार थे।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि आगामी दुर्गा पूजा उत्सव से ठीक पहले मंगलवार को हुई हिंसा से कोलकाता में व्यापारियों को भारी नुकसान हुआ है।

हिन्दी देश की अन्य सभी भाषाओं की प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि मित्र है : अमित शाह

सूरत, 14 सितम्बर (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को गुजरात के सूरत में कहा कि हिन्दी, देश की अन्य सभी भाषाओं की प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि उनकी मित्र है। इसके साथ ही उन्होंने क्षेत्रीय भाषाओं के मुकाबले हिन्दी को प्रोत्साहित करने के दुष्प्रचार अभियान की निंदा की। शाह ने क्षेत्रीय भाषाओं के साथ हिन्दी को मजबूत करने की जरूरत को रेखांकित किया। सूरत में अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि सभी भाषाओं के सह-अस्तित्व को स्वीकार करने की जरूरत है।

उन्होंने अन्य भाषाओं से शब्द लेकर हिन्दी का शब्दकोश बढ़ाने और इसे लचीला बनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। शाह ने कहा, मैं एक चीज स्पष्ट करना चाहता हूं। कुछ लोग यह दुष्प्रचार कर रहे हैं कि हिन्दी और गुजराती, हिन्दी और तमिल, हिन्दी और मराठी प्रतिद्वंद्वी हैं। हिन्दी देश में किसी भी अन्य भाषा की प्रतिद्वंद्वी नहीं हो सकती। आपको यह समझना होगा कि हिन्दी देश की सभी भाषाओं की मित्र है। उन्होंने कहा कि देश की क्षेत्रीय भाषाएं तभी समृद्ध हो सकती हैं जब हिन्दी समृद्ध होगी और क्षेत्रीय भाषाओं के विकास से हिन्दी भी समृद्ध होगी।

गृह मंत्री ने कहा, सभी को यह स्वीकार करना और समझना होगा। जब तक हम भाषाओं के सह-अस्तित्व को स्वीकार नहीं करते, तब तक हम देश को अपनी भाषा में चलाने के सपने को साकार नहीं कर सकते।

उन्होंने कहा, मैं यह पूरी गंभीरता से कहना चाहता हूं कि सभी भाषाओं और मातृभाषाओं को जीवित रखना तथा उन्हें समृद्ध करना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। इन सभी भाषाओं के समृद्ध होने से ही हिन्दी समृद्ध होगी।

टीसीएस और कर्नाटक सरकार ने टीसीएल रूरल आईटी क्विज 2022 की घोषणा की

गंगटोक, 14 सितम्बर । टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) (बीएसई: 532540, एनएसई: टीसीएस) और इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, बीटी और साइंस और टेक्नोलॉजी विभाग, कर्नाटक सरकार ने टीसीएस रूरल आईटी क्विज के 23वें संस्करण के लिए पंजीकरण अब पूरे भारत में खुलने की घोषणा की है। यह आयोजन बेंगलुरु टेक समिट 2022 का हिस्सा होगा। क्विज ऑनलाइन टेस्ट और वर्चुअल और फिजिकल क्विज शो का संयोजन होगा। छोटे शहरों और जिलों के कक्षा 8 से 12 तक के छात्रों को भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

क्विज नगर निगम सीमा के भीतर के स्कूलों के लिए नहीं है। पूरे भारत में आठ क्षेत्रीय फाइनल होंगे। प्रत्येक क्षेत्रीय फाइनल के विजेता को नवंबर में बेंगलुरु में होने वाले राष्ट्रीय फाइनल के लिए आमंत्रित किया जाएगा। सभी क्षेत्रीय विजेताओं को 10,000 रुपये के उपहार वाउचर और उपविजेता को 7000 रुपये के वाउचर मिलेंगे। राष्ट्रीय विजेता को 100,000 रुपये की टीसीएस शिक्षा छात्रवृत्ति मिलेगी और राष्ट्रीय उपविजेता को 50,000 रुपये की छात्रवृत्ति और अन्य पुरस्कार मिलेगी। छात्र प्रश्नोत्तरी के लिए पंजीकरण कर सकते हैं: https://iur.ls/tcsruralitquiz2022reg 18 सितम्बर, 2022 से पहले। क्विज विभिन्न क्षेत्रों और पहलुओं में टेक्नोलॉजी के अनुप्रयोग पर ध्यान केंद्रित करेगी जैसेरू टेक्नोलॉजी एनवायरनमेंट, बिजनेस, इसके लोग, नया ट्रेंड्स और लेजेंड्स।

टीकेएम ने अपने बिल्कुल नए टोयोटा अर्बन क्रूजर हाइडर की कीमतों की घोषणा की

गंगटोक, 14 सितम्बर । टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने अपनी बिल्कुल नई टोयोटा अर्बन क्रूजर हाइडर की कीमतों की घोषणा शुरू कर दी है। चरणबद्ध तरीके से घोषित किए जाने के लिए, टोयोटा की नवीनतम पेशकश के शीर्ष चार ग्रेड की प्रतिस्पर्धी कीमत रु. 15,11,000 से रु. 18,99,000 रुपये के बीच है। जुलाई की शुरुआत में बिल्कुल नई एसयूवी का अनावरण किया गया था और उसी समय बुकिंग की भी घोषणा की गई थी।

टीकेएम के एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट, सेल्स एंड स्ट्रैटेजिक मार्केटिंग श्री अतुल सूद ने इस महत्वपूर्ण माइलस्टोन पर टिप्पणी करते हुए कहा, हमने चरणबद्ध तरीके से अर्बन क्रूजर हाइडर की कीमत की घोषणा करने का फैसला किया है। शेष ग्रेड के लिए कीमतों की घोषणा शीघ्र ही की जाएगी।

बी एसयूवी सेगमेंट में अपनी तरह का पहला सेल्फ-चार्जिंग मजबूत हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वेहिकल, अर्बन क्रूजर हाइडर का उद्देश्य अनुकरणीय प्रदर्शन, श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ ईंधन दक्षता, त्वरित त्वरण, कनेक्टेड कार सुविधाएँ प्रदान करना है और इसे ग्रीनर यूचर के लिए डिज़ाइन किया गया है। वी ईड्राइव डब्लुडी हाइब्रिड की कीमत रु. 18,99,000, जी ईड्राइव डब्लुडी हाइब्रिड रु. 17,49,000, एस ईड्राइव डब्ल्यूडी हाइब्रिड 15,11,000 और वी एटी डब्ल्यूडी नियो ड्राइव 17,09,000 रुपये है।

शाओमी इंडिया ने तीन नए रेडमी स्मार्टफोन पेश की

गंगटोक, 14 सितम्बर । देश के नं. 1 स्मार्टफोन ब्रांड, शाओमी इंडिया ने '5जी ऑलराउंडर रेडमी 11 प्राईम 5जी' और 'प्राईम टाईम ऑलराउंडर रेडमी 11 प्राईम' की घोषणा करके अपनी प्राईम सीरीज़ की विरासत को आगे बढ़ाया है। 5जी इनेबल्ड क्रांति को भारत की सबसे लोकप्रिय रेडमी प्राईम सीरीज़ में उतारते हुए रेडमी 11 प्राईम 5जी ज्यादा तेज कनेक्टिविटी और गति प्रदान करता है।

त्योहारों के मौसम को आकर्षक बनाने के लिए शाओमी इंडिया ने रेडमी ए1 का लॉन्च करके एक नई स्मार्टफोन सीरीज़ शुरू की है। फीचर फोंस से स्मार्टफोन की ओर जाने वाले ग्राहकों के लिए रेडमी ए1 अत्यधिक तीव्र इंटरनेट, क्लीन सॉटवेयर अनुभव और नॉनस्टॉप एंटरटेनमेंट लेकर आया है, जिससे उनके दैनिक कामकाज ज्यादा प्रभावशाली और सुविधाजनक बन जाएंगे।

रेडमी 11 प्राईम 5जी नए मूल्य वर्ग में सर्वश्रेष्ठ हाई स्पीड कनेक्टिविटी प्रदान करता है, जिससे हलचल मच जाएगी। इसमें यूचर रेडी कनेक्टिविटी के साथ श्रेणी की सर्वश्रेष्ठ परफॉर्मेंस और अद्वितीय आकर्षक लुक का मिश्रण है, जो ईवीओएल डिज़ाईन लैंग्वेज़ का हिस्सा है। शाओमी इंडिया के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, अनुज शर्मा ने कहा, रेडमी प्राईम सीरीज़ साल 2015 में प्रस्तुत की गई थी और तब से ही यह डिजिटल क्रांति लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

यह अपने मूल्यवर्ग में लगातार बेस्टसेलर बनी हुई है। रेडमी 11 प्राईम 5जी हर जनसमूह तक इनोवेशन पहुँचाने के हमारे निरंतर प्रयास का हिस्सा है। यह हमारे ग्राहकों को यूचरप्रूफ 5जी कनेक्टिविटी के साथ उनकी अपेक्षाओं के अनुरूप बेहतरीन परफॉर्मेंस प्रदान करेगा। इसका मूल्य भी हर रेडमी उत्पाद की तरह ही किफायती व पारदर्शी होगा।

फोनपे ने 80 लाख ऑफलाइन व्यापारियों के डिजिटलीकरण को सक्षम बनाया

गंगटोक, 14 सितम्बर । फोनपे ने घोषणा की है कि उसने पिछले अठारह महीनों में अईआरबी पीआईडीएफ (पेमेंट्स इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड) योजना के एक हिस्से के रूप में 80 लाख ऑ.फ़लाइन व्यापारियों को डिजिटाइज़ किया है। पेमेंट्स इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड की स्थापना भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा देश के हर केंद्र और उत्तर पूर्वी राज्यों में पॉइंट ऑफ़ सेल (पीओएस) इंफ्रास्ट्रक्चर (भौतिक और डिजिटल मोड) की तैनाती को सब्सिडी देने के लिए की गई थी।

पीआईडीएफ योजना, फोनपे देश भर में डिजिटल भुगतान के बुनियादी ढांचे को दोगुना करने और बनाने में सक्षम थी, और यहां तक कि दूर-दराज के इलाकों को भी डिजिटाइज़ करने में सक्षम थी, जो अब तक डिजिटाइज़ नहीं हुए थे। फोनपे पल्स डेटा से पता चलता है कि फोनपे के व्यापारियों को शिक्षित करने, संलग्न करने और सशक्त बनाने के लगातार प्रयासों से पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) में डिजिटल भुगतान की अभूतपूर्व स्वीकृति हुई है, जो कि पीआईडीएफ के फोकस क्षेत्रों में से एक है।

विकास पर बोलते हुए, ऑ.फ़लाइन व्यवसाय के प्रमुख विवेक लोहचेब ने कहा, पीआईडीएफ योजना ने उस बुनियादी ढांचे को बढ़ावा दिया है और देश के हर नुक्कड़ पर सार्वभौमिक स्वीकृति बनाने में हमारी मदद कर रहा है।

ओवैसी ने महंगाई-बेरोजगारी को लेकर कसा तंज, कहा- मोदी जी चीते से भी तेज भागते हैं

नई दिल्ली, 14 सितम्बर (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर चुटकी लेते हुए ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को कहा कि गंभीर मुद्दों से बचने के मामले में वह (मोदी) चीते से भी तेज हैं। राजस्थान के दो दिवसीय दौरे पर आये ओवैसी ने ज्ञानवापी मामले में अदालती फैसले को पूजा स्थल अधिनियम, 1991 के खिलाफ करार देते हुए कहा कि यह भविष्य में बहुत से ऐसे मसलों को खोल देगा। इसके साथ ही उन्होंने मदरसों का सर्वेक्षण करने के उत्तर प्रदेश सरकार के कदम की भी आलोचना की।

ओवैसी ने मोदी को लेकर चीते वाली टिप्पणी 'हल्के फुल्के' अंदाज में तब की जब उनसे नामीबिया से लाए गए आठ चीतों को प्रधानमंत्री मोदी ने अपने जन्मदिन, 17 सितंबर पर कूना राष्ट्रीय उद्यान में छोड़ने की खबरों के बारे में पूछा गया। उन्होंने कहा, मोदी जी बेरोजगारी की बात होने पर तेज भागने में चीते को भी पीछे छोड़ देते हैं।

मोदी जी से पूछेंगे कि चीन हमारी जमीन पर कब्जा कर गया तो मोदी जी चीते से ज्यादा तेज चले जाएंगे लेकिन चीन नहीं बोलेंगे। मोदी जी से बोलेंगे कि पेट्रोल डीजल इतना महंगा हो गया तो वह (तेजी में) चीते को भी मात देंगे। उनकी तेजी इन मामलों में बड़ी है।'' उन्होंने कहा, हम उनसे कह रहे हैं कि थोड़ा रुकिए ... आराम से चलिए और देश को बताइए कि आप कह रहे हैं कि चीन पीछे हट रहा है बताइए कहां हट रहा है। (वह) इस पर बात ही नहीं कहते है।' इसके साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि ये चीते यहां जिंदा रहेंगे।

ओवैसी ने ज्ञानवापी मामले में अदालती फैसले को पूजा स्थल अधिनियम, 1991 के खिलाफ एक झटका करार देते हुए बुधवार को यहां कहा कि फैसला भविष्य में बहुत से ऐसे मसलों को खोल देगा। ज्ञानवापी श्रृंगार गौरी मामले में वाराणसी जिला अदालत के फैसले के बारे में पूछे जाने पर ओवैसी ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'हमारा मानना यह है कि वह फैसला गलत है। वो फैसला एक झटका है। वह फैसला पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 के खिलाफ जाता है। वह फैसला भविष्य में बहुत से ऐसे मसलों को खोल देगा।

वह फैसला भारत में अस्थिरकारी कारक पैदा कर सकता है यह मेरी आशंका है।' उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश में वाराणसी की जिला अदालत ने सोमवार को ज्ञानवापी शृंगार गौरी मामले की विचारणीयता पर सवाल उठाने वाली मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज कर दी और कहा कि वह देवी-देवताओं की दैनिक पूजा के अधिकार के अनुरोध वाली याचिका पर सुनवाई जारी रखेगी, जिनके विग्रह ज्ञानवापी मस्जिद की बाहरी दीवार पर स्थित हैं। ओवैसी ने कहा,' हम उम्मीद करते हैं कि इंतेजामिया समिति इस पर अपील करेगी और उन्होंने कहा भी है कि हम अपील करेंगे।

उत्तर प्रदेश में मदरसों के सर्वे के सवाल पर उन्होंने कहा,' सर्वे सिर्फ बिना अनुदान वाले मदरसों का क्यों हो रहा है । सर्वे संघ

संचालित स्कूलों व मिशनरी स्कूलों, निजी व सरकारी स्कूलों का क्यों नहीं हो रहा? सिर्फ एक समुदाय के 'गैर सहायता प्राप्त' मदरसों का सर्वे करना, मेरी नजर में लक्षित सर्वे है और इसके जरिए बाद में इनको तंग किया जाएगा। इसलिए मैंने कहा कि यह छोटा एनआरसी है। अगर आप वाकई सर्वे करवाना चाहते हैं तो सभी संस्थानों का सर्वे करवाइए।'

हिजाब के मुद्दे पर उन्होंने कहा,' मेरा मानना है कि हिजाब मुसलमानों के लिए जरूरी धार्मिक प्रथा है। यह हमारा सांस्कृतिक अधिकार है। अगर सरकारी स्कूल अन्य धार्मिक प्रतीकों की अनुमति दे रहे हैं तो इसकी अनुमति क्यों नहीं दी जा रही।' ओवैसी ने कहा, अगर कोई महिला (हिजाब) पहन रही है तो वह अपने सर पर पहन रही है न कि अपने दिमाग पर।

अगर कोई लड़की हिजाब पहनना चाहती है तो आप उसे क्यों रोकना चाहते हैं।' ओवैसी दो दिन के दौरे पर बुधवार को यहां पहुंचे। उन्होंने जयपुर के कुछ इलाकों में जनसंपर्क किया। उनका राज्य के शेखावाटी इलाके में जनसंपर्क व सभाएं करने का कार्यक्रम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि उनकी पार्टी राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करेगी।

लखीमपुर में बदायूं जैसा कांड, पेड़ से लटकी मिलीं दो सगी बहनों की लाशें

लखीमपुर खीरी, 14 सितम्बर (एजेन्सी)। लखीमपुर खीरी के निघासन इलाके में बुधवार की शाम दो सगी दलित नाबालिग बहनों की लाश एक ही पेड़ पर लटकी मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक लड़कियों मां का आरोप है कि तीन युवक बाइक से आए और उसकी बेटियों को जबरदस्ती उठाकर ले गए। मृतक युवतियों की मां का आरोप है कि इन्हीं लोगों ने उनकी बेटियों को मारकर पेड़ से लटका दिया। घटना के बाद निघासन इलाके में भारी तनाव का माहौल है। लखीमपुर खीरी में दो बहनों की लाश मिलने की घटना ने 8 साल पहले बदांयू कांड की घटना फिर ताजा कर दी हैं। सपा राज में बदायूं में दो बहनों की पेड़ से लटकी लाश मिली थी। जिस पर खूब बवाल हुआ था।

घटना के बाद गुस्साए लोगों ने चौराहा जाम कर दिया और पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने घटनास्थल पर जा रहे एसपी संजीव सुमन को भी घेर लिया। जानकारी के मुताबिक निघासन कोतवाली क्षेत्र के गांव तमोलिनपुरवा के बाहर एक दलित परिवार रहता है। बुधवार को घर पर दो बेटियां और उनकी बीमार मां थी। शाम करीब पांच बजे गांव से करीब पौन किलोमीटर दूर गन्ने के खेत में लगे एक खैर के पेड़ से दो सगी नाबालिग बहनों के शव लटकते मिले। दोनों के शव एक ही दुपट्टे से एक ही पेड़ से लटक रहे थे। एक किशोरी के पैर भी जमीन पर लग रहे थे।

शव देखकर गांव वालों ने हंगामा शुरू कर दिया। इन किशोरियों की मां ने गांव वालों को बताया कि कुछ देर पहले एक बाइक से आए तीन युवक उसकी दो बेटियों को जबरदस्ती खींचकर गन्ने के खेत में ले गए थे। उसने विरोध किया तो उसे लात मारकर गिरा दिया। मां का आरोप है कि उसकी बेटियों को अगवा कर उनकी हत्या की गई है।

खबर मिलने का बाद मौके पर पहुंची पुलिस को ग्रामीणों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। पुलिस ने किसी तरह से शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा। इस पर गांव वाले भड़क गए और निघासन चौराहे पर प्रदर्शन शुरू कर दिया। एसपी संजीव सुमन ने बताया कि दो किशोरियों के शव मिले हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम के बाद स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। सीओ निघासन संजय नाथ तिवारी ने बताया कि किशोरी की मां हत्या का आरोप लगा रही है लेकिन अभी तक कोई लिखित तहरीर नहीं दी गई है।

इस घटना को लेकर प्रदेश के एडीजी (लॉ एंड ऑर्डर) प्रशांत कुमार ने कहा कि लखीमपुर खीरी के निघासन इलाके में दो बहनों की पेड़ से लटकती लाश बरामद होने की सूचना मिलते ही आईजी रेंज लखनऊ लक्ष्मी सिंह को भी मौके पर भेजा गया है। घटना के दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पुलिस के मुताबिक शाम 5.30 बजे के आसपास पुलिस की आपात सेवा-112 पर पुलिस को अपहरण की सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंची तो एक व्यक्ति ने बताया कि उसकी दो बेटिया दोहपर दो बजे से ही गायब हैं, उसे अपहरण की आशंका है। इसके कुछ देर बाद ही दोनों बहनों की लाश पास के खेत में पेड़ से लटकती पाई गई। पुलिस दोनों बच्चियों के शव का पोस्टमार्टम करवा रही है। गांव में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

2025 तक पेट्रोल-एथेनॉल मिलाने से एक लाख करोड़ रुपए की विदेशी मुद्रा की होगी बचत : शाह

सूरत, 14 सितम्बर (एजेन्सी)। भारत अगर 2025 तक पेट्रोल के साथ 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल करता है, तो देश को लगभग एक लाख करोड़ रुपए के बराबर विदेशी मुद्रा की बचत होगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को यह जानकारी दी।

शाह ने कहा कि जून, 2021 में नरेंद्र मोदी सरकार ने नवंबर, 2022 तक पेट्रोल में 10 प्रतिशत एथनॉल सम्मिश्रण प्राप्त करने का लक्ष्य रखा था, जिसे पांच महीने पहले हासिल किया गया था। उन्होंने सूरत शहर के बाहरी इलाके हजीरा में कृभको के बायोएथनॉल संयंत्र की आधारशिला रखने के बाद यह बात कही।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि इस लक्ष्य को जल्दी हासिल करने से सरकार ने 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल करने की समयसीमा को पांच साल पहले वर्ष 2025 तक कर दिया है। शाह ने कहा, एथनॉल का उत्पादन आने वाले दिनों में पेट्रोलियम क्षेत्र की पूरी अर्थव्यवस्था को बदलने वाला है। 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण के लक्ष्य को हासिल करने से वर्ष 2025 तक लगभग एक लाख करोड़ रुपए विदेशी मुद्रा की बचत होगी।

उन्होंने कहा कि कच्चे तेल के आयात पर देश की निर्भरता को कम करने के लिए जैव ईंधन एक अच्छा विकल्प है, जिसका उत्पादन वर्ष 2011-12 के 17.2 करोड़ टन से बढ़कर वर्ष 2021-22 में 21.2 करोड़ टन हो गया है। उन्होंने कहा कि दुनियाभर में इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं, भारत ने इसे हासिल करने के लिए एक सुव्यवस्थित और वैज्ञानिक एथनॉल नीति तैयार की है।

शाह ने कहा, इतने प्रयासों के बावजूद, अमेरिका 55 प्रतिशत एथनॉल का उत्पादन करता है, ब्राजील 27 प्रतिशत और भारत तीन प्रतिशत। मेरे कहने का मतलब यह है कि इस क्षेत्र में बहुत अधिक संभावनाएं हैं, जिसका सहकारी इकाइयों को दोहन करना चाहिए, जैसा कि कृभको ने किया है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए सहकारी इकाइयों को आगे आना होगा।

शाह ने कहा, एक तरह से, नवंबर, 2022 के लक्ष्य से पांच महीने पहले हासिल किए गए 10 प्रतिशत मिश्रण ने 46,000 करोड़ रुपए के कच्चे तेल के आयात को कम कर दिया है। उन्होंने कहा कि बायोएथनॉल अनाज, गुड़, पौधों से बनाया जाता है और 10 प्रतिशत मिश्रण से 27 लाख टन कार्बन उत्सर्जन कम हो गया है। मंत्री ने कहा, जिस दिन सरकार 20 प्रतिशत मिश्रण का लक्ष्य हासिल कर लेगी, ये आंकड़े दोगुने हो जाएंगे।

इंडियन कोस्ट गार्ड, गुजरात एटीएस ने पाकिस्तानी नाव से की 200 करोड़ की नशीली दवाएं बरामद

नई दिल्ली, 14 सितम्बर (एजेन्सी)। एटीएस गुजरात द्वारा खुफिया इनपुट के आधार पर इंडियन कोस्ट गार्ड (आईसीजी) ने संयुक्त रूप से 6 चालक दल के साथ एक पाकिस्तानी नाव को पकड़ा, जिसमें लगभग 40 किलोग्राम हेरोइन थी, जिसकी कीमत बाजार में 200 करोड़ आंकी जा रही है।

इंडियन कोस्ट गार्ड की ये बड़ी सफलता है। 13/14 सितंबर 2022 की रात के दौरान, एक खुफिया इनपुट पर, आईसीजी ने रणनीति बनाकर अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) के करीब क्षेत्र में गश्त के लिए जहाजों के दो तेज इंटरसेप्टर, सी-408 और सी-454 तैनात किए। रात के दौरान, एक पाकिस्तानी नाव को भारतीय जलक्षेत्र में संदिग्ध रूप से देखा गया।

चुनौती दिए जाने पर, पाकिस्तानी नाव एक खेप पर चढ़ गई और टालमटोल करने लगी। खेप को दो आईसीजी जहाजों द्वारा कुशलता से बरामद किया गया। इसमें 40 किलो हेरोइन थी जिसका बाजार मूल्य 200 करोड़ रुपये आंका गया है।

सभी एजेंसियों द्वारा आगे की संयुक्त जांच के लिए नाव को जखाउ लाया जा रहा है। पिछले एक साल में भारतीय तटरक्षक बल और एटीएस गुजरात द्वारा इस तरह का यह पांचवां संयुक्त अभियान है।

कैबिनेट ने 5 राज्यों में कई समुदायों को एसटी का दर्जा देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी

नई दिल्ली, 14 सितम्बर (एजेन्सी)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को एक संविधान संशोधन विधेयक को मंजूरी प्रदान कर दी जिसके माध्यम से हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले के ट्रांस-गिरी क्षेत्र के हट्टी समुदाय को अधिसूचित अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने का प्रस्ताव किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में छत्तीसगढ़ में अनुसूचित जनजाति की सूची में बिझिया समुदाय तथा तमिलनाडु के पर्वतीय क्षेत्रों में रहने वाले नारिकुर्वन और कुरिविकरण समुदाय को भी इस सूची में शामिल करने के प्रस्ताव वाले संविधान संशोधन विधेयकों को भी मंजूरी प्रदान की गई।

मंत्रिमंडल की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने संवाददाताओं को यह जानकारी दी। संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश (तीसरा संशोधन) विधेयक 2022 के कानून बनने के बाद सिरमौर जिले के ट्रांस-गिरी क्षेत्र में रहने वाले हट्टी समुदाय के करीब 1.6 लाख लोगों को अनुसूचित जनजाति के लिये बनाई गई सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ मिलेगा।

सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि सिरमौर जिले के ट्रांस-गिरी क्षेत्र के हट्टी समुदाय के लोग लम्बे समय से यह मांग कर रहे थे कि उन्हें अनुसूचित

जनजाति का दर्जा दिया जाए। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड में जौनसार क्षेत्र में ऐसे ही लोगों को यह दर्जा प्राप्त है। ऐसे में यह ऐतिहासिक निर्णय किया गया है। वहीं, जनजातीय मामलों के मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि बिझिया समुदाय को ओडिशा और झारखंड में अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में रखा गया है लेकिन छत्तीसगढ़ में ऐसा नहीं था।

उन्होंने बताया कि इस संबंध में सभी औपचारिकताओं को पूरा कर लिया गया है। इसे राज्य से सिफारिश आने, भारत के महापंजीयक से सलाह करने और अंतर मंत्रालयी विमर्श के बाद मंत्रिमंडल के समक्ष रखा गया और इसे मंजूरी मिली । मुंडा ने कहा कि मंत्रिमंडल ने तमिलनाडु के पर्वतीय क्षेत्रों में रहने वाले नारिकुर्वर और कुरूविकरण को भी इस सूची में शामिल करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

गोवा कांग्रेस को झटका, 8 विधायकों ने थामा बीजेपी का दामन

पणजी, 14 सितम्बर (एजेन्सी)। गोवा में कांग्रेस को जोर का झटका लगा है। माइकल लोबो के नेतृत्व में आठ विधायकों का एक समूह बुधवार को सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल हो गया। माइकल लोबो को कांग्रेस ने हाल ही में विपक्ष के नेता के पद से हटा दिया था। इसके साथ ही 40 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा विधायकों की संख्या अब 28 हो गई है।

सदन के 40 सदस्यों में कांग्रेस के 11 विधायक थे। जबकि बीजेपी के पास 20 विधायक थे, जो अब बढ़कर 28 हो गए हैं।

हालांकि बीजेपी के पास एमजीपी के दो विधायकों के अलावा तीन निर्दलीय विधायकों का भी समर्थन है। इसलिए, भगवा पार्टी की ताकत सदन में अब 33 हो गई है और कांग्रेस की संख्या घटकर तीन हो गई है।

पूर्व मुख्यमंत्री दिगंबर कामत, माइकल लोबो, दलीला लोबो, केदार नाइक, संकल्प अमोनकर, राजेश फलदेसाई, एलेक्सो सिकेरा और रूडोल्फ फर्नांडीस ● ये आठ विधायक हैं जिन्होंने कांग्रस छोड़ कर भाजपा का दामन थाम लिया।

विलय की औपचारिकताओं के बाद लोबो ने दिगंबर कामत और मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत के साथ विधानसभा परिसर में मीडिया को संबोधित किया।

माइकल लोबो ने कहा कि कांग्रेस के आठ विधायकों ने सुबह सीएलपी की बैठक बुलाई थी और चर्चा के बाद भाजपा में विलय का फैसला किया।

लोबो ने कहा, हमने विलय करने वाले दल का प्रस्ताव लिया और एक प्रति विधायी सचिव को सौंपी। हमने एक प्रति मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत को दी और विधानसभा अध्यक्ष को इसकी जानकारी दी। लोबो ने कहा, हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत के हाथ मजबूत करने और गोवा के विकास के लिए भाजपा में शामिल हुए हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री दिगंबर कामत ने कहा कि राजनीति में फैसले परिस्थितियों के आधार पर होते हैं। मैंने शुरू में कहा था, कि कांग्रेस में जो कुछ भी हो रहा था वह सही नहीं है। यदि आप गुलाम नबी आजाद का पत्र पढ़ें तो आप निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि 'भारत जोड़ो यात्रा' के बजाय कांग्रेस को 'कांग्रेस जोड़ो यात्रा' शुरू करनी चाहिए थी, कामत ने कहा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारे देश के नागरिकों के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिल रहा है। किसी भी देश में भारतीयों का अपमान करने की हिम्मत नहीं होती। क्योंकि ऐसा माहौल हमारे प्रधानमंत्री द्वारा दुनिया में बनाया गया है। भारत एक सुपर पावर बनेगा। यह सब जब हो रहा है, तो गोवा को पीछे नहीं रहना चाहिए। इसके लिए मुख्यमंत्री को मजबूत करने और गोवा के समग्र विकास के लिए हम भाजपा में शामिल हुए हैं, कामत ने पीएम और गोवा के सीएम की तारीफ करते हुए कहा।

मुख्यमंत्री सावंत ने कहा कि कांग्रेस के आठ विधायकों का भाजपा में विलय हो गया है। मैं उन सभी का स्वागत करता हूं। हम बीजेपी और गोवा को आगे ले जाएंगे।

बिहार में आ गया है खौफ और कुशासन का राज : रविशंकर प्रसाद

नई दिल्ली, 14 सितम्बर (एजेन्सी)। बेगूसराय गोलीकांड और बिहार में लगातार हो रहे अपराधों को लेकर नीतीश कुमार सरकार पर निशाना साधते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा है कि बिहार में खौफ का माहौल बढ़ रहा है, कुशासन आ गया है।

भाजपा मुख्यालय में बुधवार को मीडिया से बात करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा ने तो पहले ही आगाह कर दिया था कि अगर आरजेडी की सरकार आएगी तो बिहार में खौफ का राज और कुशासन आ जाएगा क्योंकि आरजेडी की बुनियाद ही ऐसे माफिया और भ्रष्ट लोगों पर खड़ी है।

नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए प्रसाद ने कहा कि बिहार में खौफ का माहौल बढ़ रहा है। बिहार के व्यापारी, शिक्षक, निवेशक सब दुखी हैं कि जाएं तो जाएं कहां? बड़े निवेशक राज्य में अपने कारोबार को समेटने में लग गए हैं लेकिन नीतीश कुमार दिल्ली आकर सुशासन बाबू का स्वांग रच रहे हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने नीतीश कुमार को दिल्ली में आकर सुशासन बाबू का स्वांग बंद कर बिहार पर ध्यान देने की नसीहत देते हुए कहा कि नए मित्रों (आरजेडी) के साथ उन्हें क्या-क्या पदवी मिल रही है लेकिन बिहार के मुख्यमंत्री कुछ कर पाने की हिम्मत नहीं कर पा रहे हैं। जबकि भाजपा के साथ सरकार चलाते समय नीतीश कुमार बहुत गुस्सा करते थे, नाराज होकर दिल्ली के बड़े-बड़े कार्यक्रमों में भी नहीं आते थे।

भाजपा के खिलाफ नीतीश कुमार द्वारा विरोधी दलों को एकजुट करने के अभियान पर कटाक्ष करते हुए प्रसाद ने कहा कि उनके दिल्ली से वापस जाते ही कांग्रेस और सीपीएम में तकरार शुरू हो गई है। तेलंगाना और पश्चिम बंगाल से भी कांग्रेस के खिलाफ आवाज आने लगी है।

बिहार के लोगों को आश्वस्त करते हुए प्रसाद ने कहा कि भाजपा बिहार के लोगों के साथ खड़ी है, पार्टी के नेता लगातार राज्य का दौरा कर रहे हैं और पार्टी वहां पर प्रामाणिक सुशासन देने का काम करेगी।

समस्याओं से पलायन करने वाले खो देते हैं जनविश्वास : योगी

गोरखपुर, 14 सितम्बर (एजेन्सी)। यूपी के मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति समाज, राष्ट्र व धर्म की समस्याओं से पलायन की आज्ञा नहीं देती है। समाज, राष्ट्र व धर्म की समस्या को हमें अपनी खुद की समस्या मानना होगा। हमें खुद को हर चुनौती से निरंतर जूझने के लिए तैयार रखना होगा क्योंकि समस्याओं से पलायन करने वाले, उनसे मुंह मोड़ने वाले जनविश्वास खो देते हैं।

पलायन करने वालों को वर्तमान और भावी पीढ़ी कभी माफ नहीं करती है। सीएम योगी युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 53वीं तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 8वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह के अंतिम दिन बुधवार (आश्विन कृष्ण चतुर्थी) को महंत अवेद्यनाथ की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित कर रहे थे। श्रद्धांजलि समारोह में अपने भावों को शब्दांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरक्षपीठ के पूज्य आचर्यद्वय ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ ने ने धर्म, समाज और राष्ट्र की समस्याओं से पलायन न करने का आदर्श स्थापित किया। उनके मूल्यों, सामथ्र्य और साधना की सिद्धि का परिणाम आज गोरखपुर के विभिन्न विकल्पों के माध्यम से देखा जा सकता है।

उन्होंने गोरक्षपीठ को सिर्फ पूजा पद्धति और साधना स्थली तक सीमित नहीं रखा, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और सेवा के विभिन्न आयामों से जोड़कर लोक कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया।

योगी ने कहा कि गोरक्षपीठ की परंपरा सनातन धर्म की महत्वपूर्ण कड़ी है। आश्रम पद्धति कैसे संचालित होनी चाहिए, समाज, देश और धर्म के प्रति हमारी क्या जिम्मेदारी होनी चाहिए, इसका मार्गदर्शन इस पीठ ने किया है। ऐसे दौर में जब बहुतायत लोग भौतिकता के पीछे दौड़ते हैं, देशकाल व समाज के अनुरूप कार्यक्रमों से जुड़कर यह पीठ ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ व ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ द्वारा स्थापित आदर्शों को युगानुकूल तरीके से आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि जब देश पराधीन था तब यह धार्मिक पीठ सीमित संसाधनों से शिक्षा का अलख जगाने के अभियान से जुड़ती है। पूज्य संतों ने आजादी के आंदोलन को नेतृत्व दिया, उसने भागीदार बने और इस दिशा में गोरक्षपीठ की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। जब धर्म भी पराधीनता के दंश को झेल रहा था तो गोरक्षपीठ खुद को कैसे अलग रख सकती थी।

शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानन्द सरस्वती के पूर्व वशिष्ठ आश्रम अयोध्या से आए पूर्व सांसद डॉ रामविलास वेदांती ने भी अपने संबोधन में कहा कि मथुरा व काशी में भव्य मंदिर का निर्माण भी योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री रहते संभव होगा। उन्होंने योगी आदित्यनाथ को धर्म व संस्कृति की रक्षा के लिए महायोगी गोरखनाथ द्वारा भेजा गया दूत बताता। ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ का स्मरण करते हुए डॉ वेदांती ने कहा कि सभी संतों को एक मंच पर लाने का श्रेय ब्रह्मलीन महंत जी को ही है। उन्होंने राम मंदिर आंदोलन का नेतृत्व उस समय स्वीकार किया जब कांग्रेस सरकार के डर से कोई इसके लिए तैयार नहीं हो रहा था।

Water Resources Department

Nirman Bhawan, Zero Point, Gangtok (Sikkim)
Government of Sikkim

Memo No. 494/AE(1)/WRD/Pkg **Dated: 13.09.2022**

NOTICE INVITING TENDER

For and behalf of the Governor of Sikkim, The Assistant Engineer(I), Water Resources Department, Pakyong Sub Division, Government of Sikkim invites sealed tender in percentage Rate basis from the eligible contractors of appropriate class Vide Notification No: 66/R&B PWD/Secy Dated: 08/01/2021, for the works enlisted below:-

Sl. No.	Name of Work	Value put to Tender (in ₹) on Civil Works	Completion Time (in months)	Earnest Money @ ₹ 2.5% (in ₹) on Civil Work	Bank Receipt (for cost of tender document)	Constituency/ GPU/Ward
1	Construction of MIC from Kusum Kholsa to Shakti Shanti Mandirkhet & others at Ward No. 4 under Rhenock in E. Sikkim.	2277225.00	24 (Twenty Four) in months	56931.00	1500.00	Rhenock/ Amba/ Chuthang Pithang
2	Construction of Mamjey MIC at Dikling Mamjey (Jhakri Khola to Unduney Khola) under Rhenock in E. Sikkim	4876612.00	24 (Twenty Four) in months	121915.00	1500.00	Rhenock/East Pandam/ Mamjey
3	Construction of MIC from Ralang Khola to Dangal Khet, Taksang Khet under Rhenock in E. Sikkim.	2954899.00	24 (Twenty Four) in months	73872.00	1500.00	Rhenock/ Amba/ Takshang Kaijaley
4	Construction of MIC from Ralang Khola to Pithang Khet & Bagarey Khet at Kaijaley under Rhenock in E. Sikkim	2370124.0	24 (Twenty Four) in months	59253.00	1500.00	Rhenock/ Amba/ Takshang Kaijaley
5	Construction of MIC from Pechya Khola to Sherpa Khet at Taza.	2703906.00	24 (Twenty Four) in months	67598.00	1500.00	Rhenock/ Taaja/Barpipal
6	Construction of MIC from Devithan Kholsha to Dara Khet, Mamring	1860315.00	24 (Twenty Four) in months	46508.00	1500.00	Rhenock/ Amba/ Dadhgaon Mamring

Time Schedule is as follows:

i)	Date of Submission of application with bank receipt for issue of Tender Document (excluding Tender Form)	21/09/2022 to 01/10/2022 **office of the Assistant Engineer, WRD Pakyong Sub-Division.**
ii)	Date of issue of Tender Form on submission of Earnest Money (TDR)	18/10/2022 & 19/10/2022 (within the office working hrs.)
iii)	Date and Time for submission of Tender form	**21/10/2022 (10.00 hrs. to 13.00 hrs.)**
iv)	Date and Time for opening of Tender	**21/10/2022 (13.30 hrs. to 16.30 hrs.) in the office of the Assistant Engineer.**

Note: The details of tender documents including the tender form can be obtained from the office of the Assistant Engineer (I), Water Resources Department, Pakyong, Sub Division the production of receipt of deposit made to the Assistant Engineer (I).

1. Tender is open only to the eligible Contractors/Firms of appropriate Class/Area.
2. The intending tenders/contactors should apply in writing for the issue of tender documents. The application would invariably by signed by the contractor himself/herself.
3. The applicants should enclose attested copies of the following:
   (a) Valid GSTIN Registration Certificate.
   (b) Latest Income Tax clearance Certificate as per the Indian Income Tax Act.
   (c) Validated Contractor Enlistment Certificate and Professional Tax Clearance Certificate along with the application. It is mandatory to produce the original validated/updated Enlistment Certificate during the sale/issue of the Tender Document for verification.
   (d) PAN card.
4. The prescribed Non-Transferable Tender Documents (excluding the Tender Form) can be obtained during the period specified in (As above from the office of the Assistant Engineer(I)(WRD) Pakyong Dub Division production of receipt to the revenue head **0702-80.800** (other receipts).
5. Earnest Money Deposit @2.5% in the State Bank of Sikkim on the form of deposit receipt of the scheduled bank which includes in the form of temporary deposit receipts in favour of Assistant Engineer(I) Pakyong Sub Division of Water Resources Department. The Tender form shall be issued only on the production of the bank receipt to the contractors who has obtained the tender documents, on production of bank receipt of 2.5% earnest money.
6. The Tender documents, including the Tender Form with quoted offer, should be placed in a sealed cover with the name of the Tenderers and the name of the work superscripted on it. Supporting documents listed at SL3 (a), (b) and (c) above should be enclosed with the offer.
7. Sealed Tenders may be deposited in the Tender Box in the office of the concerned Assistant Engineer(I) (WRD), Pakyong Sub Division on the date and time indicated above.
8. Tenders will be opened by a Tender Opening Committee as prescribed by the Government in the presence of the tenderer on the date and time indicated above.
9. The Tenderer should sign on every page of the tender documents as Acceptance of the General Direction and Conditions of Contract and other laid down norms. The rate quoted should be both in figures and words and should be inclusive of GST and all other Taxes and Levies. Overwriting and correction should be avoided and if made should be authenticated. Incomplete/Conditional tenders shall be rejected forthwith.
10. In case of any discrepancy in rate(s) printed in the Schedule of Rates and Quantities issued with the tender document, rates as per the approved Schedule of Rates will be taken as correct. For items outside the SOR, the rates shall be as per the technically checked/estimate/analysis. The decision of the Chief Engineer of the Department will be final in this regard.
11. The Work Value, scope and quantum of work are subject to change, the contractor shall execute the work as per the directives of the Department. No claim on this account shall be entertained whatsoever. If any extra claim is made, it shall be as pr the agreement rates.
12. Avoidable damages due to the negligence of the contractor shall be at his own risk and cost. The Department shall not be liable for payment of such damages (if any), including accidents to laborer at site.
13. The offer shall remain valid for a period of 90 days. The work should commence within 15 days from the date of issue of the work and conclusion of an agreement.
14. The department reserves the right to accept or reject any or all tenders without assigning any reason thereof.
15. Sub-letting of contract work is against the norms and if it comes to the notice, the original contract shall be cancelled and appropriate action shall be initiated as per the contract agreement.
16. The Department also reserves the right to increase, decrease, alter or modify the item of work as indicated in the NIT without assigning any reason thereof.
17. The contractor will have to pay all taxes and duties as applicable and notified by the State/Central Government and no claim shall be entertained in this regard whatsoever.
18. The rate quoted shall be inclusive of prevailing taxes.
19. The department reserves the right to reject the incomplete tender without assigning any reasons there-off.
20. The Contractor has to submit the work Program/Bar Chart in the initial stage.
21. Indirect tax matters:-
    A. The tax amount computed is subjected to change in event of change in rate of tax applicable on the date time of supply of works contract service.
    B. The successful bidder shall have to furnish a certificate of GST registration along with a valid NOC issued by the Commercial Taxes Division for obtaining the work order.
    C. GST shall be deducted at source at the rate of 2% i.e. (1+1) of the bill value at the time of payment including advance payment, Adhoc payment, provisional payment etc.
    D. The amount of GST payable over and above the amount deducted at the rate of 2% at source should be paid at the time of filing the return for the month/quarter of the date of bill or invoice as per the GST rules.
    E. All the payment for the work done shall be released on furnishing of valid NOC issued by the Commercial Taxes Division.

Assistant Engineer (I)
Water Resources Department
Pakyong Sub Division
Government of Sikkim

R.O. No. 152/IPR/PUB/Classi/2223, DT.: 14.09.2022

स्वास्थ्य पर खर्च बढ़े

यह खबर चिंता बढ़ाने वाली ही कही जाएगी कि देश में जीडीपी के अनुपात में स्वास्थ्य पर सरकारी खर्च बढ़ने के बजाय कम हो गया है। करीब डेढ़ दशक से बढ़ता चला आ रहा यह खर्च 2018-19 में घटकर 1.2 फीसदी पर आ गया। इससे ठीक पहले यानी 2017-18 में यह 1.3 फीसदी दर्ज किया गया था। यह बात नैशनल हेल्थ अकाउंट के ताजा आंकड़ों से सामने आई है। यह बहुत गंभीर बात है। कोरोना महामारी के शुरू होने के बाद यह बात शिद्दत से महसूस की गई थी कि सरकार को स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ाना चाहिए। खैर, नैशनल हेल्थ अकाउंट के ताजा आंकड़ों से कई बातें साफ होती हैं। ये बताते हैं कि 2004-05 से लेकर 2018-19 तक की अवधि में स्वास्थ्य पर लोगों के अपनी जेब से किए जाने वाले खर्च में लगातार कमी दर्ज की गई। जहां 2004-05 में यह कुल खर्च का 70 फीसदी होता था, 2018-19 में यह 48 फीसदी पर आ गया। लेकिन इसी अवधि में सरकार द्वारा स्वास्थ्य पर किया गया खर्च 22.5 फीसदी से बढ़कर 40.6 फीसदी पर चला गया।

साफ है कि जब सरकार स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च बढ़ाती है तो लोगों को सस्ता इलाज मिलता है और उन्हें अपनी तरफ से स्वास्थ्य पर ज्यादा खर्च करने की जरूरत नहीं रहती। हालांकि इन आंकड़ों को लेकर यह भी ध्यान रखना चाहिए कि ये ज्यादातर राज्यों से जुड़े आंकड़ों का योग हैं क्योंकि स्वास्थ्य आम तौर पर राज्य सूची के ही अंतर्गत आता है। राज्यों में जीएसडीपी के अनुपात में या औसतन प्रति व्यक्ति खर्च दोनों लिहाज से स्वास्थ्य पर सबसे ज्यादा सरकारी खर्च करने वाला राज्य हिमाचल प्रदेश रहा और सबसे ज्यादा व्यक्तिगत जेबों पर बोझ डालने वाला राज्य उत्तर प्रदेश। ये आंकड़े स्वास्थ्य सेवाओं के लिहाज से अन्य राज्यों की स्थिति के अलग-अलग पहलुओं पर भी रोशनी डालते हैं, लेकिन कुल मिलाकर तस्वीर निराशाजनक ही है। शिक्षा और स्वास्थ्य ये दो क्षेत्र ऐसे हैं, जिनकी जिम्मेदारी से किसी भी लोककल्याणकारी राज्य को मुक्त नहीं किया जा सकता। तमाम हेल्थ इंश्योरेंस स्कीमों का, प्राइवेट अस्पतालों के ढांचों का और निजी क्षेत्र के भारी-भरकम निवेश का चाहे जितना भी हवाला दिया जाए, सरकारी सेवाओं का एक बुनियादी ढांचा बेहतर स्थिति में मौजूद होना ही चाहिए। तभी प्राइवेट अस्पतालों पर भी बेहतर सेवा देने का एक हेल्दी प्रेशर बना रहता है। दुनिया भर में स्वास्थ्य पर सरकारी खर्च का मानक जीडीपी का 3 प्रतिशत माना जाता है।अपने यहां भी 2021 के आर्थिक सर्वे में स्वास्थ्य पर सरकारी खर्च बढ़ाकर जीडीपी के ढाई-तीन फीसदी तक लाने की सिफारिश की गई थी। इसका टारगेट से इतना नीचे रहना चिंता की बात है। सरकार को इसे बढ़ाने के प्रयास तत्काल शुरू करने चाहिए।

विकास यात्रा में हिन्दी कहां

पीयूष द्विवेदी

हिन्दी भाषा-साहित्य की हजार वर्षों की गौरवशाली परंपरा रही है। इन हजार वर्षों में लगभग डेढ़-दो सौ वर्ष का कालखंड आज की आधुनिक हिन्दी का है।

इस अवधि में भी हिन्दी का साहित्यिक लेखन समृद्धि के नए सोपानों को गढ़ते हुए आगे बढ़ा है, लेकिन हिन्दी की इस साहित्यिक परंपरा के गौरव-बोध में अक्सर इस बात को अनदेखा कर दिया जाता है कि हिन्दी का एक प्रयोजनमूलक स्वरूप भी है, जो इसके साहित्यिक स्वरूप की समृद्धि के बरक्स कहीं नहीं ठहरता।

यह ठीक है कि परतंत्रता के दौर में हिन्दी के शासन-प्रशासन की भाषा न होने के कारण इसका प्रयोजनमूलक स्वरूप विकसित नहीं हो पाया, लेकिन आज जब देश स्वतंत्रता के पचहत्तर वर्ष पूरे कर चुका है तथा हिन्दी को देश की राजभाषा बने भी सात दशक से अधिक हो चुके हैं, तब भी यदि इसका प्रयोजनमूलक स्वरूप समृद्ध स्थिति में नहीं आ सका है, तो क्या यह हिन्दी जगत के लिए चिंता की बात नहीं होनी चाहिए? स्मरण रहे कि किसी भी भाषा की समृद्धि का निर्धारण केवल उसके साहित्यिक लेखन के आधार पर नहीं होता अपितु यह भी देखा जाता है कि संबंधित भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप कितना समृद्ध है। प्रत्येक भाषा का साहित्यिक लेखन जहां जीवन के सौंदर्यपरक पक्षों के प्रकटीकरण से पाठकों में आनंद का सृजन करता है, वहीं प्रयोजनमूलक स्वरूप जीवन की आवश्यकताओं के प्रति भाषा को सज्ज करते हुए आकार लेता है। अत: इन दोनों का बराबर महत्त्व है।

14 सितम्बर,1949 को संविधान सभा द्वारा देवनागरी लिपि के साथ हिन्दी को राजभाषा घोषित किया गया था। यहां से एक प्रकार से, हिन्दी के प्रयोजनमूलक प्रयोग का आरंभ माना जा सकता है। यद्यपि देश में प्रयोजनमूलक हिन्दी की संकल्पना के प्रवर्तक, हिन्दी को राजभाषा के रूप में मान्यता दिलाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रसिद्ध भाषाविद डॉ. मोटूरि सत्यनारायण हैं। आजादी के बाद सत्तर का दशक बीतने तक भारत के विश्वविद्यालयों के हिन्दी विभागों के अंतर्गत स्नातकोत्तर स्तर पर मुख्य रूप से हिन्दी साहित्य एवं आठ प्रश्नपत्रों में से केवल एक प्रश्नपत्र में भाषाविज्ञान के सामान्य सिद्धांतों तथा हिन्दी भाषा के ऐतिहासिक विकास की पढ़ाई हो रही थी।

1972 में मोटूरी सत्यनारायण जब दूसरी बार केंद्रीय हिन्दी शिक्षण मंडल के अध्यक्ष बने तो उन्होंनेसंस्थान के निदेशक तथा अध्यापकों के समक्ष प्रयोजनमूलक हिन्दी के अध्ययन-अध्यापन का विषय रखा। उनकी चिंता यह थी कि हिन्दी कहीं केवल साहित्य की भाषा बनकर न रह जाए। इसलिए उन्होंने साहित्य एवं प्रशासन के क्षेत्रों के अलावा अन्य विभिन्न क्षेत्रों के प्रयोजनों की पूर्ति के लिए जिन भाषा रूपों का प्रयोग एवं व्यवहार होता है, उनके अध्ययन और अध्यापन की आवश्यकता पर बल दिया। गौर करें तो संघ की राजभाषा के रूप में मान्यता मिलने के बाद बीते सात दशकों में हिन्दी जीवन के कुछ क्षेत्रों में अवश्य ही प्रयोजन-सिद्धि का माध्यम बनी है, लेकिन इसके साथ ही यह भी सच है कि जीवन के कई क्षेत्र अब भी पूरी तरह से इसकी पहुंच में नजर नहीं आते।

आज सरकारी कामकाज में हिन्दी प्रयुक्त हो रही है, लेकिन साथ में अंग्रेजी भी बनी हुई है। 1960 में गठित वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग द्वारा हिन्दी का पारिभाषिक शब्दकोष तैयार किया गया है। विभिन्न प्रयोजनमूलक विषयों से संबंधित हिन्दी के पारिभाषिक शब्द उपलब्ध हैं। जनसंचार एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में हिन्दी ने अवश्य ही अपना एक बड़ा मुकाम बनाया है। मनोरंजन जगत, यथा टीवी और सिनेमा के क्षेत्र में हिन्दी का बड़ा बाजार खड़ा हुआ है। यह हिन्दी के प्रयोजनमूलक स्वरूप की उपलब्धियां हैं, लेकिन हिन्दी के प्रयोजनात्मक स्वरूप को लेकर सबसे बड़ी चिंता शिक्षा के क्षेत्र से जुड़ी हुई है। विज्ञान, वाणिज्य एवं प्रबंधन, चिकित्सा, अभियांत्रिकी, प्रौद्योगिकी, न्याय आदि से जुड़े विषयों की उच्च शिक्षा आज भी हिन्दी में या तो उपलब्ध ही नहीं है और जो उपलब्ध भी है तो उसकी गुणवत्ता ठीक नहीं है। वास्तव में, इन विषयों से संबंधित मौलिक अध्ययन सामग्री तैयार करने के लिए हिन्दी में संभवत: कभी ठोस ढंग से काम ही नहीं हुआ।

जिस स्तर पर देश में साहित्य लेखन हुआ है, उसके सापेक्ष इस तरह के प्रयोजनात्मक विषयों पर हिन्दी लेखन की मात्रा न के बराबर ही कही जा सकती है। इन विषयों से जुड़ी जो कुछ सामग्री हिन्दी में उपलब्ध होती है, उसमें अनुवाद की मात्रा अधिक है। यही कारण है कि इन विषयों के छात्र प्राय: उच्च शिक्षा में अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई करने लगते हैं। अभियांत्रिकी, प्रौद्योगिकी और चिकित्सा जैसे विषयों की पढ़ाई तो अंग्रेजी में ही होती है। जब इन विषयों की शिक्षा हिन्दी में नहीं हो रही, फिर इनका कामकाज हिन्दी में कैसे हो सकता है? इसका सबसे बड़ा उदाहरण चिकित्सकों को मान सकते हैं, जो शिक्षित-अशिक्षित हर मरीज को दवा की पर्ची से लेकर उसकी जांच रिपोर्ट तक अंग्रेजी में ही देते हैं।

शैक्षिक स्तर पर हिन्दी की हालत को इस उदाहरण से भी समझ सकते हैं कि बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं जिनके प्रश्नपत्र हिन्दी -अंग्रेजी दोनों भाषाओं में होते हैं, उनमें स्पष्ट निर्देश होता है कि यदि प्रश्नपत्र के हिन्दी -अंग्रेजी रूपों में कोई अंतर होता है तो ऐसे में अंग्रेजी रूप ही मान्य होगा। कारण कि हिन्दी प्रश्नपत्र अनूदित होता है, मूल तो अंग्रेजी प्रश्नपत्र होता है। इन सब बातों के आलोक में यह कहना शायद अनुचित नहीं होगा कि शिक्षा के क्षेत्र में प्रयोजनमूलक हिन्दी की स्थिति अनुवाद की भाषा जैसी होकर ही रह गई है। संतोषजनक यह है कि केंद्र की मोदी सरकार द्वारा शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं।

नई शिक्षा नीति में स्थानीय भाषाओं में अभियांत्रिकी आदि विषयों की पढ़ाई की व्यवस्था होने से इस तरह की पहलों की शुरु आत हुई है।

यद्यपि यह पहले अभी बहुत छोटे स्तर पर हैं, लेकिन इनसे यह उम्मीद तो अवश्य जगती है कि आने वाले समय में विज्ञान-तकनीक-चिकित्सा आदि क्षेत्रों में हिन्दी व अन्य भारतीय भाषाओं के लिए संभावनाओं के द्वार खुलेंगे। वस्तुत: इन सब क्षेत्रों में प्रयोजनमूलक हिन्दी का विकास ही उसके व्यावसायिक सशक्तिकरण की राह खोलेगा। आगे की राह यही है।

जोड़ने वाली जुबान बनती हिन्दी

उमेश चतुर्वेदी

हिन्दी को लेकर संविधान सभा की बहस पर बहुत चर्चा हो चुकी है। संविधान को अंगीकृत करते वक्त सेठ गोविंद दास ने जो कहा था, उसे याद किया जाना बहुत जरूरी है। संविधान सभा में उन्होंने कहा था, 'मुझे एक ही बात खटकती है और वह सदा खटकती रहेगी कि इस प्राचीनतम देश का यह संविधान देश के स्वतंत्र होने के पश्चात विदेशी भाषा में बना है। हमारी गुलामी की समाप्ति के पश्चात, हमारे स्वतंत्र होने के पश्चात जो संविधान हमने विदेशी भाषा में पास किया है, हमारे लिए सदा कलंक की वस्तु रहेगी। यह गुलामी का धब्बा है, यह गुलामी का चिह्न है।' चूंकि सेठ गोविंददास सिर्फ राजनेता नहीं, हिन्दी के प्रतिष्ठित रचनाकार भी थे। हिन्दी के प्रति अपने सम्मान और अपने ख़यार के ही चलते शायद उन्होंने इतनी कठोर बात कहने की हिम्मत की।

सेठ गोविंद दास जैसी भाषा और हिन्दीप्रेमियों की भाषा भले ही न हो, लेकिन हिन्दी को लेकर उनकी सोच ऐसी ही है। यह सच है कि मूल रूप से अगर संविधान अपनी भाषा में लिखा गया होता, तो उसका भाव दूसरा होता और उसका संदेश भी। चूंकि आजादी मिलने के बाद लोगों के सामने देश को बनाने का उदात्त सपना था, समूचा देश इसके लिए एकमत भी था। तब हिन्दी को सही मायने में सांविधानिक दर्जा दिलाया भी जा सकता था। लेकिन जैसे-जैसे इसमें देर हुई, वैचारिक वितंडावाद बढ़ता गया। वोट बैंक की राजनीति भी बढ़ती गई और जैसे-जैसे राजनीति का लक्ष्य सेवा के बजाय सत्ता साधन होता गया, वैसे-वैसे हिन्दी ही क्यों, अन्य भाषाओं की राजनीति भी बदलती गई।

लेकिन किसे पता था कि बीसवीं सदी की शुरुआत में जो दुनिया समाजवाद और मार्क्सवाद के इर्द-गिर्द समाजवादी दर्शन की बुनियाद पर आगे बढ़ने की बात कर रही थी, वह इसी सदी के आखिरी दशक तक आते-आते उस ट्रिकल डाउन सिद्धांत के भरोसे खुद को पूंजीवादी व्यवस्था को सौंप देगी! बाजार ने जैसे-जैसे समाज के विभिन्न क्षेत्रों में पैठ बढ़ानी शुरू की, खुद को अभिव्यक्त करने और खुद की पहुंच बढ़ाने के लिए उसने स्थानीय भाषाओं को माध्यम बनाना शुरू किया। उसे स्थानीय भाषाएं ही साम्राज्यवादी भाषाओं की तुलना में ज्यादा मुफीद नजर आईं। रही-सही कसर तकनीकी क्रांति ने पूरी कर दी। तकनीक और बाजार के विस्तार के साथ स्थानीय भाषाओं का तेजी से विस्तार हुआ और हिन्दी भी उसी तरह बढ़ती गई। उसने अपनी पहुंच और पैठ के इतने सोपान तय किए, जिसे परखने के लिए गहरे शोध की जरूरत है।

कहने को तो हर साल ऑक्सफोर्ड शब्दकोश में हिन्दी के कुछ शब्दों को जगह मिल रही है, इससे हम गर्वित भी होते हैं। जिस साम्राज्यवाद ने हमें करीब दो सौ साल तक गुलाम रखा, जिसने हमारी भाषाओं को गुलाम भाषा का दर्जा ही दे दिया, वे अगर हमारे शब्दों को अपने यहां सादर स्वीकार कर रहे हैं, तो उसके लिए गर्वित होना भी चाहिए। तकनीक ने हिन्दी का विस्तार सात समंदर पार तक पहुंचा दिया है। अपने वतन और माटी से दूर रहने वाले लोग अपनी पहचान और अपनी एकता के लिए अपनी माटी को ही बुनियाद बनाते हैं। अब इस बुनियाद में भारतीय भाषाएं भी जुड़ गई हैं। पाकिस्तान और बांग्लादेश के लोग भी विदेशी धरती पर खुद की पहचान हिन्दी या हिंदुस्तानी जुबान के जरिये बनाने की कोशिश करते हैं।

भारतीय उपमहाद्वीप की अपनी सरजमीन पर भारत-पाकिस्तान के बीच भले ही विरोधी माहौल हो, लेकिन भारतीय उपमहाद्वीप से दूर सात समंदर पार अगर हिन्दी हमें जोड़ने का साधन और माध्यम बन रही है, तो इसका स्वागत किया जाना चाहिए।

हिन्दी को इस चुनौती को भी स्वीकार करना होगा, ताकि उसका रूप और विकसित हो तथा वह सीमाओं के आर-पार की मादरी जुबान की तरह विकसित हो सके। वैसे जिस तरह बाजार इस मोर्चे पर हिन्दी को आधार दे रहा है, उससे साफ है कि हिन्दी यह लक्ष्य भी जल्द हासिल कर लेगी। इसलिए उसे तैयार होना होगा। यह तैयारी शब्द संपदा बढ़ाकर, उसकी बुनियादी पहचान बनाकर, ज्ञान-विज्ञान की भाषा के तौर पर उसका व्यवहार बढ़ाकर की जा सकती है।

बाजार में बढ़ी है धमक

डॉ. मनीष कु. चौधरी

हिन्दी भाषा और बाजार के रिश्ते को लेकर कई तरह के भ्रम की स्थितियां हैं। क्या सचमुच बाजार ने हिन्दी भाषा की ताकत और उसके विस्तार को नया आयाम दिया है?

बाजार ने भाषाओं के पुनर्वास की चुनौतियों को सयास और सुनियोजित ढंग से संभव बनाया है। इसमें उसके अपने लोभ-लाभ छिपे हुए हैं। बाजार का सीधा उद्देश्य है लाभ और अपने प्रोडक्ट का प्रचार-प्रसार। बाजार एक ही साथ कई भाषाओं का समुच्चय बनता है। उस भाषाई समुच्चय के निर्माण में भाषा के प्रति आस्था व विश्वास न होकर अधिक लोगों तक पहुंचने की तत्परता दिखाई पड़ती है। यह बाजार की केंद्रीय शर्त है। आज बाजार की भाषा के रूप मे हिन्दी समादृत है, लेकिन वही हिन्दी विज्ञान और टेक्नोलॉजी की भाषा बनने मे असमर्थ दिख रही है।

भाषा हमारी परम्परा और संस्कृति से अटूट और रचनात्मक रिश्ता रखती है। संबंधों के प्रति गहरा लगाव व अपनापन भारतीयता की पहचान है। बाजार की चलताऊ भाषा ने रिश्तों की गर्माहट और अहसास को खंडित किया है। बुआ, फूफा, मौसी, चाची, दादा-दादी ऐसे संबंधगत अनेक संदर्भ हैं, जिन्हें बाजार ने अंकल और आंटी के रूप में तब्दील कर दिया है। यह पारिवारिक रिश्तों के सौंदर्यबोध पर एक तरह से अप्रत्यक्ष हमला है। अपनी परंपरा और संस्कृति की उर्वर और मौलिक जड़ से कटी भाषा असंवेदनशील हो जाती है। बाजार ने मातृत्व और प्रेम जैसे पवित्र और मानवीय भाव को एक दिवस के रूप मे जड़वत कर दिया है। मदर्स डे या वैलेंटाइन डे की सफलता बाजार केंद्रित है, लेकिन उसकी सार्थकता मनुष्यता केंद्रित कदापि नहीं है। आज बाजार की दुनिया को दो रूपों में विभक्त कर सकते हैं। एक है, जो ट्रेडिशनल फॉर्म में सक्रिय है और दूसरा वर्चुअल फॉर्म में है।

इंटरनेट की दुनिया का बाजार भी कमतर नहीं है। यहां हिन्दी का बढ़ता साम्राज्य और इसका अंतरजातीय रूप देखकर हम प्रफुल्लित हो सकते हैं कि हिन्दी की पहुंच बढ़ी है या अंग्रजी को टक्कर दे रही है, लेकिन इसका न्यून पक्ष यह है कि भाषा की जीवंतता और उसका मानवीय प्रभाव निरंतरता में कम हो रहा है। यह भाषाई चिंता का एक नया कोण है। आज हिन्दी के विज्ञापनों की धूम मची है। हिन्दी अखबारों की बढ़ती प्रचार संख्या भी हमें हिन्दी के प्रति आश्वस्त करती है। हिन्दी सिनेमा की अपार लोकप्रियता, टीवी सीरियल और ओटीटी प्लेटफॉर्म ने देश ही नहीं वरन विदेशों में भी हिन्दी की लोकप्रियता को नया स्वरूप दिया है। चतुर्दिक रूप से हिन्दी का बढ़ता वर्चस्व हमें गौरवान्वित करता है किंतु भाषाई अस्मिता के प्रश्न पर हम मार्मिक यथार्थ से मुठभेड़ करते दिखते हैं। संप्रति भाषा की शक्ति की पहचान और परख की कसौटी बाजार है। वह भाषा दुनिया में सम्माननीय है जो बाजार में अपने वर्चस्व का सिक्का जमा सकता है।

दुनिया के बाजार में अंग्रेजी की सर्वस्वीकर्ता प्रमाणित है किंतु आज अंग्रेजी के उसी वर्चस्व को लगातार चुनौती देती हिन्दी दिख रही है। क्या यह सच नहीं है कि लग्जरी घड़ियों के अंतरराष्ट्रीय ब्रांड काटिएर, मोंक ब्लोंक, रोलेक्स, पटक फिलिप, गुची आदि के विज्ञापन हिन्दी मे आने लगे हैं। दुनिया की महंगी कार में शुमार मंसडीज, रॉल्स राइस, ऑडी, बीएमडब्ल्यू, वाल्वो, लेक्सस आदि के विज्ञापन भी हिन्दी में प्रचलित हो गए हैं। दरअसल, यह हिन्दी के बढ़ते प्रभाव का सूचक है। बाजार ने हिन्दी को अपने अनुकूल बना लिया है, जिसकी अपनी भाषाई सीमाएं हैं। किसी भाषा के साथ सबसे बड़ा छल उसे सिर्फ सूचना और मनोरंजन की भाषा में कैद कर देना है।

आज बाजार हिन्दी भाषा का जो रूप गढ़ रहा है वह हिन्दी की ताकत को अंदर से कमजोर करने का प्रयास है। आखिर अभी भी हिन्दी सरकारी दफ्तरों, अंतराष्ट्रीय बाजारों, उच्चस्तरीय वाताओं, अनुसंधान, चिकित्सा विज्ञान आदि में हिन्दी को क्यों नहीं स्वीकारा जा रहा है? क्या इस सच से इनकार किया जा सकता है की अंग्रजी के वर्चस्व के कारन हिन्दी माध्यम से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले अभियर्थियों में बेरोजगारी बढ़ी है। उनका सामाजिक सम्मान घटा है। आप लोक सेवा आयोग का परीक्षा परिणाम देख सकते हैं। यह सच है कि हिन्दी का समाज लगभग वह है जो अंग्रजी की दुनिया से कटा है। हमारा स्वाभाविक चयन हिन्दी नहीं है। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि हिन्दी की क्षमता में विश्वास रखने वाले लोगों की संख्या भी सम्मानजनक है।

कोई भी भाषा तभी उन्नति और लोकप्रियता की राह पर चलती है, जब उस भाषा में नई पीढ़ी का आकर्षण हो क्योकि भाषा का भविष्य भी नई पीढ़ियों के साथ ही सुरक्षित रह सकता है। इस प्रश्न का उत्तर हमें उत्साहित नहीं करता है। नई पीढ़ियों के लिए भाषा का अर्थ रोजगार और अर्थोपार्जन की क्षमता से है। अगर वह इसमें समर्थ है तो उसका लगाव भाषा के साथ होगा। अन्यथा भाषा के सांस्कृतिक मूल्यों से उसे कोई स्वाभाविक लगाव नहीं दिखता।

हमें इस तथ्य को समझना होगा की हिन्दी भाषा सिर्फ मनोरंजन या रोजगार की भाषा नहीं है बल्कि यह हमारी संवेदना की भाषा है, यह मनुष्यता की भाषा है, प्रतिरोध की भाषा है।

नई शिक्षा नीति में मातृभाषा और हिन्दी को पुनर्प्रतिष्ठित करने का प्रयास किया जा रहा है। यह स्तुत्य है। हमें इस चिंता को जीवंत रखना है कि हिन्दी सिर्फ आधुनिकीकरण की भाषा के रूप में न रहे बल्कि वह एक मानवीय भाषा के रूप में सुरक्षित रहे।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR TORSA MORNING
WEDNESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:94 DrawDate on:14/09/22
1st Prize ₹1 Crore/- 88D 29685
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 29685 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
12058 25288 29257 38390 41013 45662 55490 68601 80422 90421
3rd Prize ₹450/-
2036 2124 2273 2407 2560 3055 3753 6691 8013 9675
4th Prize ₹250/-
0815 1879 2039 3766 4632 4931 4937 7000 7555 9177
5th Prize ₹120/-
0149 0216 0276 0399 0446 0448 0568 0596 0785 1128
1210 1266 1358 1443 1528 1637 1688 1718 1774 2053
2255 2283 2310 2321 2578 2583 2702 2733 2966 3110
3135 3187 3224 3245 3262 3272 3336 3398 3543 3603
3674 3714 3802 3867 3973 4055 4103 4445 4520 4589
4606 4635 4678 4744 4886 4890 4891 5066 5088 5092
5129 5243 5269 5390 5393 5395 5563 5601 5833 6016
6275 6356 6380 6476 6481 6717 6732 6901 6903 6935
7002 7032 7524 7646 7924 7986 8009 8358 8476 9006
9073 9277 9430 9681 9775 9806 9896 9912 9924 9983
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR MERCURY WEDNESDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:94 DrawDate on:14/09/22
1st Prize ₹1 Crore/- 82H 78454
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 78454 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
11510 37030 44119 46429 49463 53458 61467 62699 88288 93863
3rd Prize ₹450/-
0110 1827 2042 2642 3826 3869 4505 5653 8473 8496
4th Prize ₹250/-
0074 1538 1606 1635 2512 4450 4631 5368 7117 8339
5th Prize ₹120/-
0101 0107 0561 0595 0694 0933 0957 1181 1231 1284
1328 1504 1614 1642 1655 1751 2031 2114 2223 2463
2493 2812 2952 3045 3080 3121 3688 3707 3778 3911
3988 4071 4241 4391 4394 4440 4474 4569 4635 4678
4741 4949 5071 5165 5294 5322 5338 5494 5535 5576
5578 5590 5664 5701 5925 5938 6027 6079 6081 6106
6148 6162 6351 6469 6512 6532 6577 6697 6873 6888
7002 7060 7171 7188 7337 7346 7582 7741 7807 8027
8048 8076 8165 8189 8425 8542 8714 8848 8969 9046
9057 9144 9295 9316 9456 9681 9701 9810 9923 9989
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR EAGLE EVENING
WEDNESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:194 DrawDate on:14/09/22
1st Prize ₹1 Crore/- 51B 13769
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 13769 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
02300 05072 22466 59555 61899 62475 66825 74641 85285 94634
3rd Prize ₹450/-
0197 1510 2054 3434 3664 3689 5109 5706 7451 7742
4th Prize ₹250/-
3482 3581 5503 5748 5767 6290 6963 8127 8166 9396
5th Prize ₹120/-
0077 0165 0191 0292 0332 0384 0454 0652 0678 0751
0771 1039 1050 1173 1416 1480 1549 1650 1731 2028
2226 2231 2315 2319 2357 2440 2674 2692 2913 3032
3051 3107 3151 3152 3184 3189 3240 3330 3494 3840
3887 3948 3979 4080 4144 4266 4279 4373 4571 4653
4688 4733 4958 5129 5152 5228 5459 5596 5828 5997
6182 6214 6237 6266 6355 6369 6422 6585 6632 6659
6683 6755 6864 6996 7179 7227 7230 7498 7533 7575
7587 7821 7998 8003 8073 8099 8118 8146 8302 8354
8373 8399 8489 8506 9006 9135 9365 9747 9778 9958
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

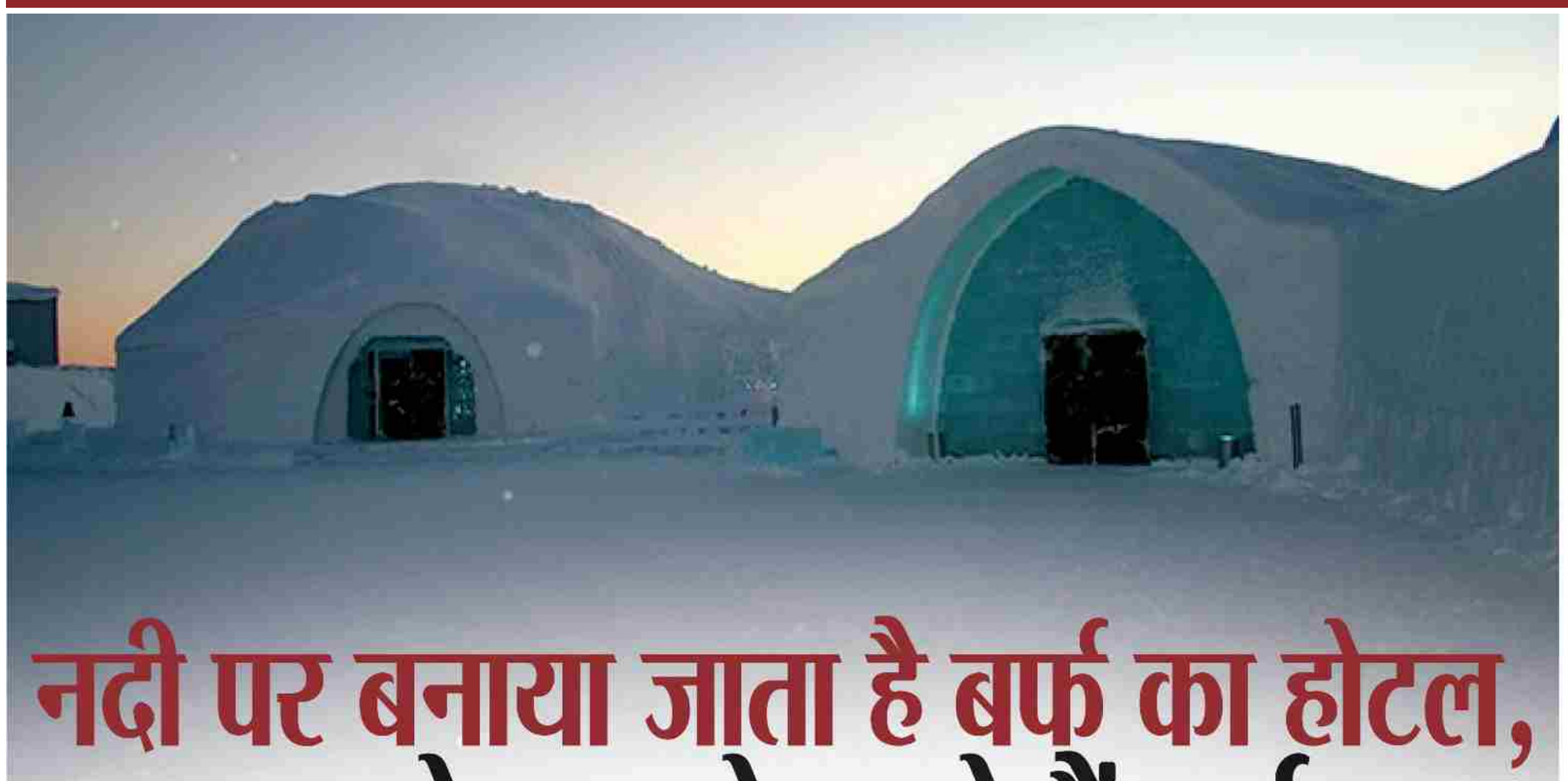

नदी पर बनाया जाता है बर्फ का होटल, दूर-दूर से ठहरने आते हैं पर्यटक!

दुनियाभर में कई तरह के घुमक्कड़ होते हैं जो तरह-तरह की जगह जाना पसंद करते हैं। इनमें से कुछ ऐसे भी होते हैं जिन्हें अजीबो-गरीब होटल देखना या वहां ठहरना भी पसंद होता है। अगर आप भी कुछ ऐसा ही शौक रखते हैं तो आज हम आपको एक ऐसे ही अजीबो-गरीब होटल के बारे में बताने जा रहे हैं जो पूरी दुनिया में अपनी खासियत के लिए मशहूर है।

कुछ अलग दिखने की सूची में स्वीडन में मौजूद आइस होटल शमिल है। ये अपने हटके प्रस्तुति के कारण पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। काफी पुराना होने के बावजूद भी ये होटल अपने कलाकारी के लिए लोगों के बीच आकर्षित है। यहां हर साल कलाकार अलग-अलग कलाकारियां करते हैं। आइए आपको आइस होटल की अन्य खासियत के बारे में बताते हैं, जो आपको हैरान कर सकती हैं...

नदी पर बना हुआ होटल

स्वीडन के टॉर्न नदी के ऊपर आइस होटल बना हुआ है। ये होटल पूरी तरह से बर्फ का बना

हुआ होता है। इसकी खासियत है कि ये पिघलकर नदी का रूप ले लेता है। तय समय तक ये आइस होटल रहता है और फिर हर साल इसे बनाया जाता है। हर साल ये अलग-अलग आकर और कलाकारियों के साथ बनाया जाता है। जिसे देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। यहां ठहरने के लिए पर्यटकों को 1 साल पहले ही बुकिंग करनी होती है।

अप्रैल के बाद पिघलना शुरु हो जाता है होटल

जब तक मौसम ठंडा और बर्फदार रहता है तब तक ये होटल अपने ठोस आकार में नदी पर मौजूद रहता है। वहीं, तापमान गर्म होने पर ये पिघलकर पानी में बदल जाता है। इसे हर साल नए-नए डिजाइन में बनाया जाता है। यहां आकार दुनियाभर के कलाकार अपनी कलाकारियां दिखाते हैं।

काफी कम तापमान के होते हैं कमरे

सोलर पॉवर कूलिंग की मदद से होटल के कमरों को बनाया जाता है। यहां ज्यादातर लाइट्स या अन्य उपकरणों को सौर ऊर्जा से ही चलाया जाता है। ये होटल इकोफ्रेंडली होने के कारण लोगों के लिए पहली पसंद में से एक है। यहां के कमरों का तापमान काफी कम होता है। बर्फ की मोटी-मोटी परत को काटकर कमरा बनाया जाता है। गर्मी आने तक ये होटल बर्फ के तौर पर रहता है और फिर अप्रैल के बाद पिघलना शुरु हो जाता है।

बर्फ के सेरेमनी हॉल और रेस्त्रां भी मौजूद

साल 1992 में पहली बार ये होटल खोला गया था। यहां मौजूद रेस्त्रां, सेरेमनी हॉल और कॉम्प्लेक्स को बर्फ से ही बनाया जाता है। इतना ही नहीं, होटल के फर्नीचर, दीवार, बार समेत अन्य चीजों को भी बर्फ से ही बनाया जाता है। यहां एक से एक डिजाइनिंग वाले कमरे मौजूद हैं।

कम से कम खर्च में घूमने के लिए अपनाएं यह टिप्स, जेब पर नहीं पड़ेगा जोर

घूमना आखिरकार किसे अच्छा नहीं लगता। हर दिन के तनाव और रूटीन से ब्रेक लेते हुए नई जगहों को एक्सप्लोर करने का अपना एक अलग ही आनंद है। लेकिन फिर भी मध्यम वर्गीय परिवार चाहकर भी घूमने नहीं जा पाते और उसकी वजह होती है बजट। चार-पांच महीने में अगर एक बार भी घूमने का प्लॉन बनाया जाए तो इससे पूरा बजट बिगड़ जाता है और सेविंग भी काफी हद तक खर्च हो जाती है। हो सकता है कि आप भी पैसों के चक्कर में घूमने ना जा रहे हों। लेकिन आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बता रहे हैं, जिसे अपनाकर आप ट्रेवलिंग के दौरान पैसों की भी बचत कर सकते हैं-

प्लान करें ट्रिप

जब आप किसी नई जगह पर घूमने का विचार कर रहे हैं और चाहते हैं कि उसमें आपके काफी सारे पैसे खर्च ना हो तो इसके लिए आपको अपनी ट्रिप को प्लॉन करना चाहिए। आप जहां जा रहे हैं, इसके लोगों, संस्कृति, रीति-रिवाजों और भोजन आदि के बारे में थोड़ा-बहुत जानना आपको बहुत परेशानी से बचाएगा। इसके अलावा रिसर्च आपको उन महंगे शहरों के बारे में बताएगा जिनसे आप बचना चाहते हैं। रिसर्च के जरिए आप उस जगह की सस्ती जगहों व लोकल फूड के बारे में जान पाएंगे।

सोच-समझकर चुनें एयरलाइन

यदि आप अपनी यात्रा के लिए सही एयरलाइन नहीं चुनते हैं तो आपको फ्लाइंग पर अतिरिक्त पैसा खर्च करना पड़ सकता है एक बजट एयरलाइन आपको कुछ पैसे बचा सकती है, इसलिए ट्रेवल के लिए आप सोच-समझकर एयरलाइन बुक करें। साथ ही अलग-अलग समय पर फ्लाइंग के चार्जेस अलग होते हैं, इसलिए उस पर भी फोकस जरूर करें।

ऑफ-सीजन में यात्रा करें

यह एक ऐसी ट्रिक है, जो ट्रेवल के दौरान आपके काफी सारे पैसे खर्च होने से बचा सकती है। पीक सीज़न के दौरान यात्रा करने से आपको अधिक पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं, इसलिए पीक सीज़न की यात्रा से बचना समझदारी है। एयरलाइंस, होटल और फूड प्राइस आदि छुट्टियों के दौरान और क्रिसमस, ईस्टर, ईद और दिवाली जैसे अवसरों पर बढ़ जाती हैं। ऐसे में आप ऑफ सीजन में घूमने का प्लॉन करें। इससे आपके पैसे भी कम खर्च होंगे और भीड़ कम होने के कारण आप अच्छी तरह एंजॉय भी कर पाएंगे।

खाएं लोकल फूड

अगर आप बजट में घूमना चाहते हैं तो आपको अपने फूड पर भी फोकस करना चाहिए। ओवरप्राइज्ड कैफ़े और रेस्तरां में आपको बहुत सारे पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं जिन्हें आप स्थानीय स्थानों पर जाकर बचा सकते हैं जो ताजा भोजन परोसते हैं। इससे एक लाभ यह भी होगा कि आपको उस जगह के ऑथेंटिक फूड का स्वाद चखने का मौका मिलेगा।

हैप्पी हनीमून

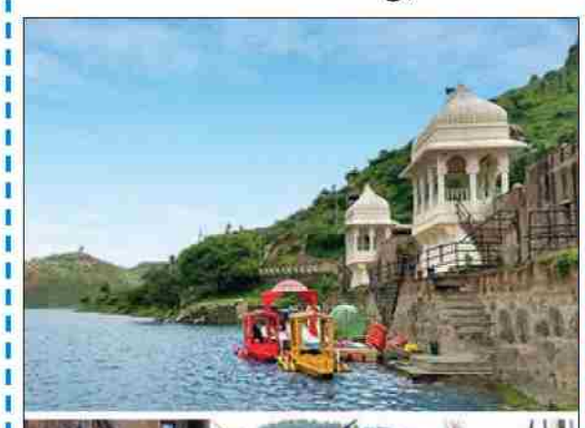

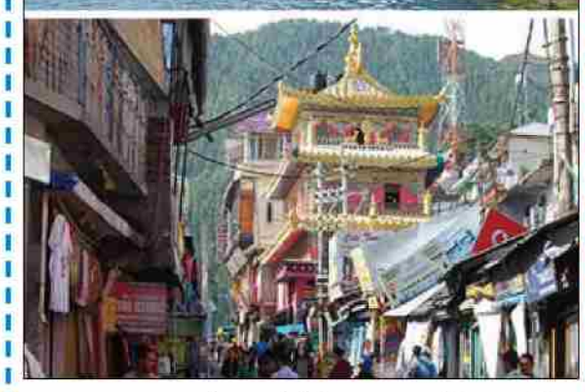

करना है पॉकेट फ्रेंडली हैप्पी हनीमून तो घूमें इन जगहों पर

शादी के बाद हनीमून किसी भी नवविवाहित जोड़े के लिए एक यादगार वक्त होता है। हनीमून ट्रिप को लेकर कपल्स के मन में कई तरह की एक्साइटमेंट होती है। लेकिन बहुत से कपल्स सिर्फ इसलिए हनीमून पर नहीं जा पाते, क्योंकि वह उनकी पॉकेट से बाहर होता है। हो सकता है कि आपकी भी जल्द शादी होने वाली है और आप कम बजट में हैप्पी हनीमून ट्रिप प्लॉन करना चाहते हैं तो ऐसे में आप इन जगहों पर जा सकते हैं-

हिमाचल प्रदेश

दिल्ली से 400 किलोमीटर की दूरी पर हिमाचल प्रदेश एक बेहद ही खूबसूरत जगह है, जहां पर आप कम बजट में अपने पार्टनर के साथ घूमने जा सकते हैं। यह आध्यात्मिक गुरु, दलाई लामा का घर है और इसमें कई जगह हैं, जैसे कि भागसू फॉल्स, शिव कैफ़े आदि जगहों पर जा सकते हैं और ट्रेकिंग और अन्य एडवेंचर्स एक्टिविटीज कर सकते हैं। यहां पर आपको व्यक्ति प्रति दिन 300 रूपए में ठहरने की जगह मिल सकती है।

केरल

केरल एक बेहद ही खूबसूरत राज्य है और न्यू कपल्स के लिए इसे एक बेहतरीन घूमने की जगह माना जाता है। यहां की नेचुरल ब्यूटी हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। केरल को भगवान का अपना देश माना जाता है, जिस कारण हर व्यक्ति केरल के मंदिरों को देखना चाहता है। यहां बहुत सिद्ध मंदिर हैं। कुछ मंदिरों में पद्मनाभस्वामी मंदिर, गुरुवायुर मंदिर, वडक्कुन्नत मंदिर, अनंतपुरा झील मंदिर, थिरुमन्धाकुन्नु मंदिर, पडियानूर देवी मंदिर आदि प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। यह पद्मनाभस्वामी मंदिर है जो यहाँ बहुत प्रसिद्ध है।

उदयपुर

राजस्थान राज्य में कई बेहतरीन घूमने की जगहे हैं, लेकिन आप कम बजट में राजस्थान में हनीमून पर जाना चाहते हैं तो ऐसे में आपको उदयपुर जाना चाहिए। यह अपेक्षाकृत काफी सस्ता है। आप यहां पर सिटी पैलेस से लेकर पिंचोला झील आदि कई खूबसूरत जगहों का लुत्फ उठा सकते हैं।

आगरा

आगरा के ताजमहल को दुनिया के सात अजूबों में शामिल किया गया है। यह बेमिसाल प्यार की निशानी है। ऐसे में आपके लिए आगरा से बेहतर घूमने की जगह कौन सी होगी। यहां घूमने में आपको 5000 रूपए से भी कम का खर्च आएगा। आगरा में आप ताजमहल के अलावा आगरा का किला, फतेहपुर सिकरी आदि घूम सकते हैं। वैसे अगर आप आगरा जा रहे हैं तो वहां का फेमस पेठा खाना ना भूलें।

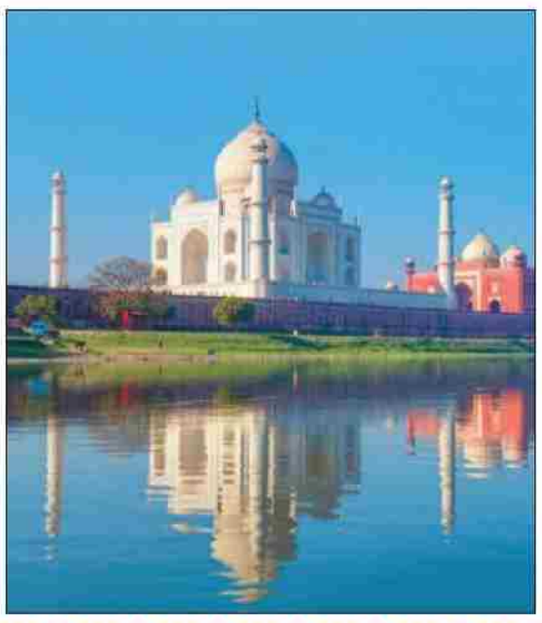

अमेरिका ने बाढ़ प्रभावित पाकिस्तान में 10 मानवीय सहायता मिशन भेजे : पेंटागन

वाशिंगटन। अमेरिका ने कहा है कि उसने पाकिस्तान में भारी मानसूनी बारिश के कारण आई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित लोगों को दस लाख पाउंड से अधिक की महत्वपूर्ण मानवीय आपूर्ति और उपकरण पहुंचाने के लिए 10 मिशन भेजे हैं। पाकिस्तान में बाढ़ से लगभग 1,400 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 12,728 अन्य घायल हुए हैं और 17 लाख से अधिक घर, 40 लाख एकड़ से ज्यादा कृषि भूमि तथा 6,674 किलोमीटर लंबी सड़कें नष्ट हो गई हैं। अमेरिकी रक्षा विभाग (डीओडी) पाकिस्तान में विनाशकारी बाढ़ से उपजे मानवीय संकट के मद्देनजर उसे मदद मुहैया कराने के 'यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट' (यूएसएआईडी) के प्रयासों का समर्थन कर रहा है। पेंटागन के प्रवक्ता पैट्रिक राइडर ने मंगलवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, फ़हमारी संवेदनाएं निश्चित रूप से उन लोगों के साथ हैं, जो इस भयानक प्राकृतिक आपदा से प्रभावित हुए हैं।' उन्होंने कहा, 'डीओडी ने अभी तक महत्वपूर्ण एयरलिफ्ट (हवाई निकासी) और स्टेजिंग (अस्थाई पट्टियां या चबूतरे) सहायता प्रदान करके अमेरिकी प्रशासन की यूएसएआईडी के नेतृत्व वाली प्रतिक्रिया का समर्थन किया है।' राइडर ने कहा, 'अमेरिकी वायु सेना की मध्य कमान को सौंपे गए सी-17 और सी-130 विमानों ने पाकिस्तान में 10 सहायता मिशन का संचालन किया है, जिनके तहत पाकिस्तानी लोगों की मदद के लिए 10 लाख पाउंड से अधिक की महत्वपूर्ण मानवीय आपूर्ति और उपकरण पहुंचाए गए हैं। हम अगले कई दिनों तक इसी दर से मदद जारी रखने की उम्मीद करते हैं।' उन्होंने बताया कि पाकिस्तान भेजी जाने वाली मानवीय सहायता में आपातकालीन खाद्य सामग्री, पेयजल, स्वच्छता आपूर्ति और उपकरण, पोर्टेबल (अस्थाई) आश्रय, बिस्तर, सफाई किट और रसोई का सामान शामिल है।

वेस्ट बैंक की सीमा पर तनाव, इजराइल ने दो फिलिस्तीनी बंदूकधारियों की हत्या की

रामल्ला । इजराइल और फिलिस्तीन के बीच फिर तनाव बढ़ गया है। इजरायली सैनिकों ने अपने कब्जे वाले वेस्ट बैंक की सीमा के पास संघर्ष में दो फिलिस्तीनी बंदूकधारियों की गोली मारकर हत्या कर दी, जिसमें एक इजरायली सैन्य अधिकारी भी मारा गया है। वेस्ट बैंक, उन क्षेत्रों में है, जिसे फिलिस्तीनी अपने भविष्य के राज्य के केंद्र के रूप में चाहते हैं। हाल के महीनों में हिंसा में वृद्धि देखी गई है, क्योंकि इजरायल ने अपने शहरों में घातक फिलिस्तीनी हमलों के बाद छापेमारी तेज कर दी है। सैन्य प्रवक्ता ने कहा कि सुबह होने से पहले सैनिकों ने फिलिस्तीनी शहर जेनिन के पास वेस्ट बैंक सीमा के नजदीक एक इजरायली बैरिकेड्स के पास दो लोगों को देखा, जहां दोनों पक्षों के बीच रात में संघर्ष देखा गया। सेना ने कहा कि उन लोगों ने गोलियां चलाई जिसमें एक सेना अधिकारी की मौत हो गई। जिसके बाद अन्य सैनिकों द्वारा गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई। इधर सशस्त्र फिलिस्तीनी गुटों के गठबंधन जेनिन ब्रिगेड ने दो मृत बंदूकधारियों की पहचान अपने सदस्यों के रूप में की है। इसके साथ ही इसने दावा किया कि उन्होंने इजरायली सेना के एक अधिकारी को मार डाला है।वहीं पिछले कुछ हफ्तों में इजराइल ने फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास पर दबाव डालकर उत्तरी वेस्ट बैंक में सुरक्षा स्थिति को शांत करने के अपने प्रयासों पर ध्यान केंद्रित किया है।

बोस्टन के नॉर्थ ईस्टर्न यूनिवर्सिटी परिसर में धमाका, एक घायल

बोस्टन । अमेरिका के बोस्टन स्थित नॉर्थ ईस्टर्न यूनिवर्सिटी में डिलीवरी वाले पैकेज में बड़ा धमाका हो गया, जिसमें एक शख्स बुरी तरह घायल हो गया। दरअसल, अमेरिका के बोस्टन में मंगलवार रात पुलिस का एक बम निरोधक दस्ता नॉर्थ ईस्टर्न विश्वविद्यालय परिसर में एक संदिग्ध पैकेट की जांच के लिए पहुंचा था। परिसर में स्थित एक डिलीवरी वाले पैकेट में धमाका होने और उसमें कम से कम एक व्यक्ति के घायल होने की खबर थी। एक खबर के मुताबिक बोस्टन पुलिस ने कहा कि विश्वविद्यालय के होम्स हॉल के पास छोड़े गए दो संदिग्ध पैकेट की जांच की जा रही है। अधिकारियों ने विस्तृत जानकारी देने से इनकार कर दिया, लेकिन यहां के एक स्थानीय टीवी ने कहा कि एक व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया है और दमकल व चिकित्सा कर्मी घटनास्थल पर थे। डब्ल्यूबीजेड-एएम रेडियो ने अज्ञात पुलिस अधिकारियों के हवाले से कहा कि धमाके में घायल व्यक्ति को मामूली चोटें आई हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, विश्वविद्यालय परिसर में बम की सूचना मिलने के बाद पुलिस दल रात आठ बजे वहां पहुंचा। इससे पहले विश्वविद्यालय प्रबंधन ने उन छात्रों से इमारत खाली करा ली थी, जो शाम की कक्षा के लिए होम्स हॉल में एकत्रित हुए थे। नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी बोस्टन शहर में स्थित एक निजी विश्वविद्यालय है।

आजरबैजान और आर्मीनिया ने लड़ाई में 99 सैनिकों की मौत की जानकारी दी

येरेवान। आर्मीनिया और आजरबैजान की सीमा पर चल रही लड़ाई में दोनों तरफ के करीब 100 सैनिकों की मौत हो गई। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच लंबे समय से चल रही दुश्मनी के और गहरा होने की आशंका बढ़ गई है। आर्मीनिया के प्रधानमंत्री निकोल पाशिनयान ने मंगलवार को कहा कि आजरबैजान द्वारा देर रात किए गए हमलों में 49 आर्मीनियाई सैनिकों की मौत हो गई। वहीं आजरबैजान ने कहा है कि उसके 50 सैनिक मारे गए हैं। रूस की मध्यस्थता में दोनों देशों के बीच संघर्षविराम था और संघर्षविराम समझौते के तहत क्षेत्र में लगभग 2,000 रूसी सैनिक शांति सैनिकों के रूप में तैनात हैं। रूस ने दोनों पूर्व सोवियत देशों से मैत्रीपूर्ण संबध बनाए रखने का आह्वान किया है। आर्मीनिया के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, आजरबैजान की सेना ने तोपों और ड्रोन से हमले किए। मंत्रालय ने कहा कि संघर्ष विराम के लिए रूस द्वारा त्वरित मध्यस्थता के प्रयास के बावजूद दिन में लड़ाई जारी रही। उसने कहा कि गोलाबारी कम हो गई है लेकिन आजरबैजान के सैनिक अब भी आर्मीनियाई क्षेत्र में आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। आजरबैजान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि आर्मीनियाई बलों ने देश के तीन जिलों में सेना की चौकियों पर गोलीबारी की और आर्मीनियाई हमलावरों ने इन क्षेत्रों में बारुदी सुरंगें बिछाई। उसने कहा कि आजरबैजान के बल अनिर्दिष्ट संख्या में हताहत हुए और ''कड़ी जवाबी कार्रवाई की गई।'' उधर आजरबैजान का कहना है कि उसने आर्मीनिया द्वारा सोमवार देर रात और मंगलवार सुबह किए गए हमलों के जवाब में कार्रवाई करते हुए हमले किए। इस बीच, भारत ने मंगलवार को दोनों देशों से आक्रमकता खत्म करने और तत्काल संघर्ष विराम करने की अपील करते हुए कहा कि सैन्य संघर्ष से किसी भी समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता। विदेश मंत्रालय के प्रवक्त अरिंदम बागची ने कहा कि भारत का विश्वास है कि द्विपक्षीय विवादों का समाधान कूटनीति और संवाद से होना चाहिए। गौरतलब है किआजरबैजान और आर्मीनिया के बीच नागोर्नो-काराबाख को लेकर दशकों से संघर्ष चल रहा है। नागोर्नो-काराबाख आजरबैजान का हिस्सा है, लेकिन यह 1994 में एक अलगाववादी युद्ध समाप्त होने के बाद से आर्मीनिया द्वारा समर्थित बलों के नियंत्रण में है। दोनों के बीच 2020 में छह सप्ताह तक चले युद्ध में 6,600 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी।

दक्षिण कोरिया ने उत्तर कोरिया को दी परमाणु हथियार इस्तेमाल नहीं करने की चेतावनी

सियोल । दक्षिण कोरिया ने उत्तर कोरिया को चेतावनी दी कि अगर उसने अपने परमाणु हथियारों का इस्तेमाल किया तो वह आत्म-विनाश के रास्ते पर आ जाएगा। दक्षिण कोरिया का यह बयान उत्तर कोरिया द्वारा एक नया कानून बनाए जाने के कुछ दिनों बाद आया है जो हमले की स्थिति में उसे अपने परमाणु हथियारों का पहले इस्तेमाल करने की अनुमति देता है. हालांकि दक्षिण कोरिया का यह कड़ा रुख उत्तर कोरिया को संभवत: नाराज कर सकता है क्योंकि सियोल आमतौर पर कोरियाई प्रायद्वीप पर तनाव बढ़ने से बचने के लिए इस तरह के कड़े शब्दों के इस्तेमाल से बचता है। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि कानून केवल उत्तर कोरिया को अलग थलग करेगा और सियोल और वाशिंगटन को अपनी प्रतिरोध और प्रतिक्रिया क्षमताओं को और मजबूत करने के लिए प्रेरित करेगा। मंत्रालय ने उत्तर कोरिया को अपने परमाणु हथियारों का उपयोग नहीं करने की हिदायत दी और दक्षिण कोरिया ने अपने सहयोगी अमेरिका से अधिक सहयोग की मांग करते हुए कहा कि वह भी अपनी पहले हमला करने की नीति, मिसाइल रक्षा और बड़े पैमाने पर जवाबी क्षमता को बढ़ावा देगा। मंत्रालय के एक कार्यवाहक प्रवक्ता मून होंग सिक ने संवाददाताओं से कहा कि हम चेतावनी देते हैं कि उत्तर कोरिया की सरकार को दक्षिण कोरिया-अमेरिकी सैन्य गठबंधन की भारी जवाबी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा और अगर वह परमाणु हथियारों का उपयोग करने का प्रयास करती है, तो वह आत्म-विनाश के रास्ते पर चली जाएगी।

चीन के तीसरे नंबर के नेता ली झांशु ने ओली, प्रचंड से बातचीत की

चीन की संसद के अध्यक्ष और देश के राजनीतिक पदानुक्रम में तीसरे नंबर के नेता ली झांशु ने मंगलवार को नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्रियों के पी शर्मा ओली और पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' सहित शीर्ष राजनीतिक नेताओं के साथ बातचीत की और द्विपक्षीय संबंधों और आपसी हित के मुद्दों पर चर्चा की। चीन की संसद 'नेशनल पीपुल्स कांग्रेस' की स्थायी समिति के अध्यक्ष ली नेपाल के स्पीकर अग्नि प्रसाद सपकोटा के आमंत्रण पर सोमवार को तीन दिवसीय यात्रा पर यहां पहुंचे।

लंदन में महारानी एलिजाबेथ के ताबूत को बकिंघम पैलेस की ओर ले जाते समय हजारों लोग रास्ते में मौजूद थे।

करीबी मुकाबले के बाद केन्या के राष्ट्रपति बने विलियम रूटो

पूर्वी अफ्रीका के सबसे स्थिर लोकतंत्र में नौ अगस्त को हुए चुनाव में बहुत कम अंतर से जीत हासिल करने वाले विलियम रूटो ने केन्या के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ले ली। रूटो ने नौ अगस्त को हुए चुनाव में लंबे समय से विपक्ष के नेता रहे रैला ओडिंगा को मामूली अंतर से हराया। उच्चतम न्यायालय ने पिछले सप्ताह आधिकारिक परिणामों को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया था। रूटो निवर्तमान राष्ट्रपति उहुरू केन्याट्टा के कार्यकाल में उप राष्ट्रपति रहे थे लेकिन बाद में दोनों में तकरार हो गई और उन्होंने महीनों तक बात नहीं की थी। मंगलवार को दोनों ने जब हाथ मिलाया तो उपस्थित लोगों ने तालियां बजाकर खुशी जताई।

विलियम रूटो का शपथ ग्रहण समारोह एक स्टेडियम में आयोजित किया गया। मंगलवार को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में लोगों ने जबरन स्टेडियम में घुसने का प्रयास किया और इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोका तथा अनेक लोग घायल हो गये। चिकित्सा कर्मी पीटर मुइरुरी ने कहा कि लोगों के धक्का देने पर नैरोबी स्टेडियम की बाड़ टूट गयी और करीब 60 लोग घायल हो गये। यह संख्या बढ़ सकती है। उन्होंने कहा कि किसी की मृत्यु की खबर नहीं है। कुछ लोगों ने सुरक्षाकर्मियों को धक्का देकर घुसने का प्रयास किया लेकिन नाकाम रहे।

पाकिस्तान से एफ-16 विमान डील करके भारत को क्या संदेश देना चाहता है अमेरिका?

रूस और चीन है मुख्य कारण!

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

भारत की विदेश नीति हमेशा राष्ट्रीय हित को लेकर आगे चली है। रूस-युक्रेन युद्ध के दौरान जब पुरी दुनिया के ज्यादातर देश चाहते थे कि भारत रूस की आलोचना करे तब भारत ने अपना राष्ट्र हित देखा और शांत रहा। अमेरिका मे इरान पर सेंशन लगा रखा है इस लिए भारत अपनी तेल की पूर्ति रूस से तेल खरीदकर करता है। ऐसे में भारत पर दवाब डाला जा रहा था कि रूस के साथ भारत अपने व्यापार को नाटो देश की तरह बंद कर दे लेकिन भारत ने देश के अंदर के हितों को ध्यान में रखते हुए रूस के साथ अपने व्यापार और तेल की खरीद को बंद नहीं किया। अब हाल ही में एससीओ समिट में भी भारत भाग लेने जा रहा है जो शंघाई में होने वाला हैं। ऐसे में अमेरिका पाकिस्तान के साथ एफ 16 का सौदा करके भारत पर दबाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।

बाइडन प्रशासन ने पाकिस्तान को 45 करोड़ डॉलर की सैन्य सहायता देने के कदम को जायज ठहराते हुए कहा है कि एफ-16 लड़ाकू विमान कार्यक्रम अमेरिका-पाकिस्तान के द्विपक्षीय संबंधों का अहम हिस्सा है। अमेरिकी सरकार ने कहा कि इन लड़ाकू विमानों के बेड़े से पाकिस्तान को आतंकवाद रोधी अभियान के संचालन में मदद मिलेगी। बाइडन प्रशासन ने आठ सितंबर को पाकिस्तान को एफ-16 युद्धक विमानों के वास्ते 45 करोड़ डॉलर की मदद देने की मंजूरी दी थी। पिछले चार वर्षों में वाशिंगटन की ओर से इस्लामाबाद को दी गई यह पहली बड़ी सुरक्षा सहायता है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा, 'हमने हाल ही में कांग्रेस (संसद) को अवगत कराया है कि हम पाकिस्तानी वायु सेना के एफ-16 विमानों की मरम्मत और रखरखाव के लिए 45 करोड़ डॉलर देने जा रहे हैं।' प्राइस ने एक सवाल के जवाब में कहा, 'पाकिस्तान कई मामलों में हमारा एक महत्वपूर्ण साझेदार है। वह आतंकवाद के खिलाफ जंग में हमारा एक अहम साझेदार है। हम अपनी नीति के तहत अमेरिका में निर्मित उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव के लिए सहायता उपलब्ध कराते हैं।'

प्रवक्ता ने कहा, 'पाकिस्तान का एफ-16 कार्यक्रम अमेरिका-पाकिस्तान के द्विपक्षीय संबंधों का एक अहम हिस्सा है और इस प्रस्तावित की मदद से पाकिस्तान को एफ-16 बेड़े की मरम्मत के लिए सहायता मिलेगी, जिससे वह आतंकवाद के वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपट सकेगा।

शहबाज ने सभी पक्षकारों से बाढ़ राहत प्रयासों में सक्रियता से जुटने का अनुरोध किया

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

विनाशकारी बाढ़ से चरमराई देश की अर्थव्यवस्था के बीच पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मंगलवार को सभी हितधारकों से पुनर्वास प्रयासों में सक्रिय रूप से शामिल होने का आह्वान किया। बाढ़ से देश में 40 अरब अमरीकी डॉलर से अधिक के नुकसान का अनुमान है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) की तरफ से दी गई अद्यतन जानकारी के मुताबिक बाढ़ से जान गंवाने वालों का आंकड़ा बढ़कर 1,481 हो गया है जबकि 12,748 लोग घायल हुए हैं। इसमें बताया गया है कि 12,418 किलोमीटर सड़कों को नुकसान पहुंचा है जबकि 17 लाख से अधिक घर आंशिक या पूरी तरह से बर्बाद हो गए हैं। विनाशकारी बाढ़ के चलते 9,08,137 मवेशियों की भी जान गई है। शरीफ ने मंत्रिमंडल की एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा, 'यहपरीक्षा का समय है और हमें एकजुटता दिखानी है।' एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने मंगलवार को खबर दी कि राष्ट्रीय बाढ़ प्रतिक्रिया समन्वय केंद्र (एनएफआरसीसी) ने सोमवार को बाढ़ प्रतिक्रिया केंद्र की एक बैठक में 40 अरब अमरीकी डॉलर के नुकसान का आंकड़ा दिया जहां वित्त मंत्रालय ने 'एन अर्ली असेसमेंट ऑफ फ्लड इंपैक्ट ऑन पाकिस्तान्स इकॉनमी' शीर्षक वाली आकलन रिपोर्ट पेश की। यह नया आंकड़ा संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस द्वारा पिछले हफ्ते पाकिस्तान के एकजुटता दौरे के दौरान दिए गए 30 अरब डॉलर के आंकड़े से काफी ज्यादा है। देश के बाढ़ प्रभावित इलाकों में गुतारेस की हाल की यात्रा का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद के लिए व्यावहारिक कदमों पर जोर दिया। शरीफ ने कहा कि गुतारेस ने स्वीकार किया कि पाकिस्तान जलवायु परिवर्तन से प्रेरित आपदा का सबसे खराब शिकार बन गया है, एक ऐसी घटना जिसमें उसका कोई योगदान नहीं है।

अमेरिका में कैंसर से मौत के मामले कम करने के लिए महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने देश में कैंसर के कारण होने वाली मौत के मामले कम करने के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा की है। अमेरिका में हृदय संबंधी बीमारी के बाद मौत का सबसे बड़ा कारण कैंसर है। अपने बड़े बेटे ब्यू को 2015 में कैंसर के कारण खो चुके बाइडन ने कहा कि लोगों की जान बचाए जाने के मामले बढ़ने के बावजूद कैंसर अमेरिका में हृदय संबंधी बीमारी के बाद मौत का अब भी दूसरा बड़ा कारण है। राष्ट्रपति बाइडन ने बोस्टन में दिए अपने भाषण में नई एजेंसी 'एडवांस्ड रिसर्च प्रोजेक्ट्स एजेंसीज ऑफ हेल्थ' (एआरपीए-एच) के गठन की घोषणा की। उन्होंने कहा, ''एआरपीए-एच का एकमात्र मकसद कैंसर, अल्जाइमर, मधुमेह और अन्य बीमारियों को रोकने, उनका पता लगाने और उनका इलाज करने की दिशा में किए जाने वाले प्रयासों को प्रोत्साहित करना और हमें स्वस्थ जीवन जीने में सक्षम बनाना होगा।'' बाइडन ने कहा कि अमेरिका को उन्नत जैव प्रौद्योगिकी का देश में निर्माण करने की आवश्यकता है और इसीलिए उन्होंने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं जो संघीय सरकार को यह सुनिश्चित करने का निर्देश देता है कि अमेरिका में आविष्कार की गई जैव प्रौद्योगिकी अमेरिका में ही बनाई जाए, चाहे वह कैंसर के उपचार से संबंधित हो या अगली पीढ़ी के ईंधन और अन्य सामग्री से जुड़ा हो। बाइडन ने कहा कि उनका प्रशासन देश के हर हिस्से के वैज्ञानिकों की नई पीढ़ी का समर्थन करने के लिए पहला 'कैंसर मूनशॉट स्कॉलर कार्यक्रम' शुरू कर रहा है।

पुतिन के जवानों को मिला घातक नई सुखोई एसयू-35, रूसी सैन्य शक्ति में होगा भारी इजाफा

कीव (एजेंसी)।

यूक्रेन की जंग को शुरू हुए 6 महीने से ज्यादा का वक्त बीत चुका है। वहीं वक्त के साथ पुतिन की सेना का दबाव कम होता दिख रा है। खारकीव इलाके में रूस को बड़े झटके का सामना करना पड़ा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के दावे की माने तो करीब 2000 किलोमीटर के दायरे को रूसी प्रभाव से मुक्त करा लिया गया है। यूक्रेन को मिलती इस बढ़त के बीच अब, पुतिन के सैनिकों को घातक लड़ाकू जेट प्राप्त हुए हैं। रूसी राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी रोस्टेक ने हाल ही में सेना को नए एसयू-35एस दिए हैं।

एसयू-35 हवाई, जमीनी खतरों का सामना करता है और दुश्मन की नौसैनिक सतह बलों का मुकाबला करता है। नवीनतम डिलीवरी यूक्रेन में रूस की सैन्य शक्ति में इजाफा करेगी। कीव के हालिया युद्धक्षेत्र लाभ के बावजूद, रूस ने सीमावर्ती क्षेत्रों में बमबारी जारी रखी है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 10 सितंबर को रूसी राज्य के स्वामित्व वाले रक्षा समूह रोस्टेक ने घोषणा की थी कि रूसी वायु सेना को यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉरपोरेशन से एसयू-35एस है। हैवीवेट लड़ाकू विमानों का एक नया बैच प्राप्त हुआ है। इन विमानों का निर्माण रूस के सुदूर पूर्व क्षेत्र में कोम्सोमोल्स्क-ऑन-अमूर विमान सुविधा में किया गया था।

ताजा बैच 30 विमानों के लिए रूसी रक्षा मंत्रालय और यूएसी के बीच हस्ताक्षरित तीसरे अनुबंध का हिस्सा है। डिलीवरी 2024 में पूरी होने की उम्मीद है। एसयू 35 दुनिया के बेहतरीन विमानों में से एक है। एसयू-35एस की नवीनतम श्रृंखला को तकनीकी कर्मचारियों द्वारा अनुमोदित किया गया था और कोम्सोमोल्स्क-ऑन-अमूर एविएशन प्लांट में कारखाना परीक्षण पूरा किया गया था। प्रत्येक विमान को हवाई परिचालन परीक्षणों की एक श्रृंखला से गुजरना पड़ा।

आफगानिस्तान में छुपा है खुंखार आतंकी मसूद अजहर! पाकिस्तान ने पत्र लिखकर तालिबानी सरकार पर बनाया दबाव

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

एक पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर का पता लगाने और उसे गिरफ्तार करने के लिए अफगानिस्तान की तालिबानी सरकार से संपर्क किया है। पाकिस्तान पर इन दिनों अपनी धरती से आतंकवाद को खत्म करने का दवाब पश्चिमी देशों से कुछ ज्यादा की बढ़ रहा है। ऐसे में पाकिस्तान ने मसूद अजहर की तलाश करने के लिए यह कदम उठाया है। फिलहाल संयुक्त राष्ट्र द्वारा मसूद अजहर को खुंखार आतंकी घोषित किए जाने के बाद से ही वह फरार है।

अफगानिस्तान मे छुपा है आतंकी मसूद अजहर!

पाकिस्तानी पक्ष ने तालिबान के विदेश मंत्रालय को पत्र लिखकर अफगानिस्तान में अधिकारियों से अजहर का पता लगाने और उसे गिरफ्तार करने को कहा है। पत्र में कहा गया है कि पाकिस्तानी अधिकारियों का मानना है कि अजहर अफगानिस्तान में कहीं छिपा है, जियो न्यूज चैनल ने एक अज्ञात पाकिस्तानी अधिकारी के हवाले से कहा कि यह घटनाक्रम से जुड़ा है। पत्र में कहा गया है कि अजहर के नंगरहार प्रांत या अफगानिस्तान के कुनार प्रांत में छिपे हुए होने की संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अभी इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि अगस्त 2021 में काबुल में तालिबान के सत्ता में आने से पहले या उसके बाद अजहर अफगानिस्तान चला गया था या नहीं। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ने इस घटनाक्रम पर कोई टिप्पणी नहीं की। भारतीय अधिकारियों की ओर से इस घटनाक्रम पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

तालिबानी सरकार को पाकिस्तान ने लिखा पत्र

इस साल की शुरुआत में पश्चिमी शक्तियों ने अजहर, लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के संस्थापक हाफिज सईद और लश्कर के संचालक साजिद मीर सहित 30 प्रमुख आतंकवादी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई के लिए फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की बैठक में भारत के आह्वान का समर्थन किया। पाकिस्तान ने महीनों तक तर्क दिया था कि इस साल की शुरुआत में अधिकारियों द्वारा उसकी गिरफ्तारी की पुष्टि करने से पहले मीर की मौत हो गई थी। बाद में मीर को प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा का सदस्य होने, समूह के लिए धन जुटाने और आतंकी गतिविधियों के लिए धन मुहैया कराने के लिए पाकिस्तान के आतंकवाद विरोधी अधिनियम के तहत दोषी ठहराया गया था।

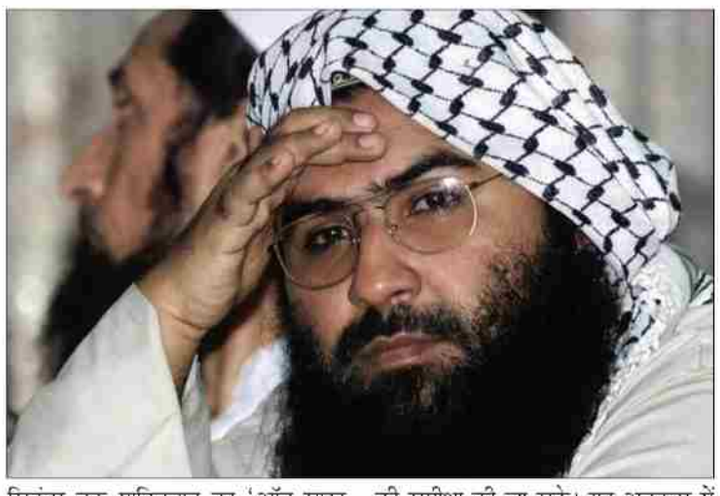

एफएटीएफ ने 28 अगस्त से 2 सितंबर तक पाकिस्तान का 'ऑन-साइट दौरा' किया, ताकि आतंकवाद के वित्तपोषण और मनी लॉन्ड्रिंग का मुकाबला करने के लिए बहुपक्षीय निगरानीकर्ता की कार्य योजनाओं के साथ देश के अनुपालन की समीक्षा की जा सके। यह अक्टूबर में होने वाली एक बैठक में एफएटीएफ की 'ग्रे लिस्ट' से पाकिस्तान के संभावित निष्कासन से पहले आया था।

विराट ने आईसीसी रैंकिंग में लगायी लंबी छलांग

सूर्यकुमार और भुवनेश्वर शीर्ष दस में एकमात्र भारतीय

दुबई (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) रैंकिंग में लंबी छलांग लगायी है। आईसीसी की बुधवार को जारी रैंकिंग में विराट को एशिया कप में अच्छे प्रदर्शन का लाभ मिला है और वह 14 पायदान ऊपर आकर 15वें स्थान पर पहुंच गये हैं। इस प्रकार विराट ने 14 खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा है। उन्होंने हाल में समाप्त हुए टी20 एशिया कप में एक शतक और 2 अर्धशतक लगाये थे। वहीं शीर्ष दस की बात करें तो बल्लेबाजी में सूर्यकुमार यादव और गेंदबाजी में भुवनेश्वर कुमार ही दो भारतीय खिलाड़ी हैं। बल्लेबाजी में सूर्या चौथे नंबर पर बने हुए हैं जबकि गेंदबाजी में भुवनेश्वर चार स्थान के लाभ के साथ ही सातवें स्थान पर पहुंच गये हैं। भुवनेश्वर ने एशिया कप में सबसे अधिक 11 विकेट लिए थे। गेंदबाजी में ऑस्ट्रेलिया के जोस हेजलवुड शीर्ष पर बने हुए हैं। वहीं एशिया कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे श्रीलंका के वानिंदु हसारंगा को भी दोहरी सफलता मिली है। वह गेंदबाजी और ऑलराउंडर दोनो की ही रैंकिंग में ऊपर आए हैं। हसारंगा ने एशिया कप मुकाबले में 3 विकेट विकेट लेने के साथ ही 36 रन भी बनाए थे। हसारंगा गेंदबाजों की रैंकिंग में तीन स्थान के लाभ के साथ ही छठे स्थान पर आ गए हैं। वहीं ऑलराउंडर्स की सूची में सात स्थान ऊपर आकर चौथे स्थान पर कायम हैं। वहीं बल्लेबाजी रैंकिंग में पाकिस्तान टीम के कप्तान बाबर आजम को नुकसान हुआ है। आजम एशिया कप में रन नहीं बना पाये थे। इससे वह नंबर एक से फिसलकर तीसरे नंबर पर आ गये हैं। पाक के ही मोहम्मद रिजवान पहले की तरह नंबर-1 पर बने हुए हैं जबकि दक्षिण अफ्रीका के एडेन मारक्रम दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। बल्लेबाजों की रैंकिंग में भारत के सूर्यकुमार यादव पहले की तरह ही नंबर-4 पर बने हुए हैं। इंग्लैंड के डेविड मलान 5वें, ऑस्ट्रेलिया के एरॉन फिंच छठे, न्यूजीलैंड के डेवॉन कॉवने 7वें, श्रीलंका के पथुम निसांका 8वें, यूएई के मोहम्मद वसीम 9वें और दक्षिण अफ्रीका के रीजा हेंड्रिग्स 10वें नंबर पर हैं। अन्य भारतीयों की बात करें तो कप्तान रोहित शर्मा 14वें, ईशान किशन 22वें और केएल राहुल 23वें स्थान पर बने हुए हैं।

प्रणय ताजा बीडब्ल्यूएफ विश्व रैंकिंग में 16वें नंबर पर पहुंचे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी एच एस प्रणय अपने शानदार प्रदर्शन के बूते मंगलवार को जारी ताजा बीडब्ल्यूएफ विश्व रैंकिंग में दो पायदान आगे 16वें स्थान पर पहुंच गये। प्रणय ने विश्व चैम्पियनशिप और जापान ओपन सुपर 750 क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी और 33 टूर्नामेंट खेलने के बाद उनके 64,330 अंक हो गये हैं। तीस वर्षीय भारतीय हाल में 'रेस टू ग्वांगझू' में पुरूष एकल में शीर्ष खिलाड़ी बना था जिससे सत्र के अंतिम बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल के लिये क्वालीफायर का फैसला होता है। साथी भारतीय किदाम्बी श्रीकांत भी दो पायदान के फायदे से 12वें स्थान पर पहुंच गये हैं जबकि लक्ष्य सेन दुनिया के नौंवे नंबर से भारतीय पुरूष खिलाड़ियों में सर्वश्रेष्ठ स्थान पर बरकरार हैं। चोट के कारण विश्व चैम्पियनशिप और जापान ओपन में नहीं खेलने वाली पीवी सिंधू को भी एक पायदान का लाभ मिला है जिससे वह सातवें स्थान पर पहुंच गयीं। लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल ने तीन पायदान के फायदे से शीर्ष 30 में अपना स्थान हासिल कर लिया है। पुरूष युगल में चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर कायम हैं जिन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में अपना पहला स्वर्ण और विश्व चैम्पियनशिप में पहला कांस्य पदक जीता था। अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी एक पायदान के नुकसान से महिला युगल रैंकिंग में 28वें स्थान पर खिसक गयी हैं। तनीषा क्रास्टो और ईशान भटनागर की मिश्रित युगल जोड़ी ने दो पायदान चढ़कर अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 33वीं रैंकिंग हासिल की।

बीसीसीआई अध्यक्ष बने रहेंगे गांगुली

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली और बोर्ड सचिव जय शाह के कार्यकाल बढ़ाने के मामले में संविधान संसोधन की अपनी मंजूरी दे दी है। ऐसे में अब बोर्ड अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव जय शाह अपने-अपने पदों पर बने रहेंगे।

इससे पहले बीसीसीआई ने गांगुली और शाह का कार्यकाल बढ़ाने की याचिका दायर कर संविधान में संशोधन की इजाजत मांगी थी। जिससे कि प्रशासकों के लिए तय तीन साल के कूलिंग ऑफ पीरियड के प्रावधान को समाप्त किया जा सके। इसपर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम कूलिंग पीरियड को लेकर एक नई व्यवस्था बनाने का प्रस्ताव दे रहे हैं। ऐस में कोई भी सदस्य लगातार दो बार स्टेट काउंसिल या बीसीसीआई में रह सकता है पर उसके बाद कूलिंग पीरियड का पालन करना होगा। कोर्ट ने ये भी कहा कि उसे इस बात से कोई ऐतराज नहीं है कोई सदस्य तीन साल के लिए लगातार दो बार चुना जाए।

गौरतलब हैक गांगुली साल 2019 से बीसीसीआई के अध्यक्ष हैं। इसी साल उनका कार्यकाल खत्म हो रहा है। वहीं साल 2020 में कोरोना महामारी के चलते बीसीसीआई के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव नहीं हो पाये। इसलिए गांगुली का कार्यकाल और एक साल के लिए और बढ़ गया था।

बीसीसीआई एशिया कप समीक्षा: बीच के ओवरों में धीमी बल्लेबाजी चिंता का विषय

मुंबई (एजेंसी)।

अगले महीने 16 अक्टूबर से शुरू होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप से पूर्व भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की एशिया कप को लेकर हुई समीक्षा बैठक में सात से लेकर 15 ओवर के बीच भारतीय बल्लेबाजों के प्रदर्शन पर चिंता जताई गई। भारत विश्व कप में अपना पहला मैच 23 अक्टूबर को अपने चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान के खिलाफ मेलबर्न में खेलेगा। बीसीसीआई ने सोमवार को विश्व कप तथा 20 सितंबर से ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले छह टी20 मैचों के लिए टीम घोषित की।

टीम चयन के अलावा हालांकि बैठक में बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव जय शाह तथा राष्ट्रीय चयन समिति ने एशिया कप के दौरान राष्ट्रीय टीम के खराब प्रदर्शन पर भी चर्चा की। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा,'' हां, एशिया कप के प्रदर्शन पर चर्चा की गई। निश्चित तौर पर समस्याओं की बजाए समाधान पर ध्यान दिया गया तथा इस पर चर्चा हुई कि टी20 विश्व कप के दौरान किन क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है।''

सभी ने इस पर सहमति जताई की बेहतर टीमों के खिलाफ भारत का बीच के ओवरों में अपनाया गया रवैया चिंता का विषय है और एशिया कप में इससे टीम को नुकसान हुआ। अधिकारी ने कहा, ''बीच के ओवरों में बल्लेबाजी एक मुद्दा था विशेषकर सातवें से लेकर 15 ओवर के बीच बल्लेबाजी जिसमें एशिया कप में हमने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। टीम थिंक टैंक इससे अवगत है और हमारे पास कुछ विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं जो टीम की जरूरतों के अनुसार अपना खेल बदल सकते हैं।''

यदि सातवें से लेकर 15वें ओवर के बीच भारतीय बल्लेबाजों के प्रदर्शन पर गौर करें तो पाकिस्तान के खिलाफ पहले मैच में उन्होंने नौ ओवरों में 59 रन बनाए और तीन विकेट गंवाए। यहां तक कि हांगकांग के खिलाफ भी इन ओवरों में केवल 62 रन बने जबकि पाकिस्तान के खिलाफ सुपर चार के मैच में भी इन ओवरों में 62 रन बनाए गए और इस बीच भारत ने एक विकेट खोया। इन नौ ओवरों में भारत ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन श्रीलंका के खिलाफ किया।

तब उसने इन ओवरों में 78 रन बनाए थे। चयन समिति की बैठक से पहले चर्चा थी कि ऋषभ पंत की जगह संजू सैमसन को 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया जा सकता है लेकिन उनके नाम पर चर्चा तक नहीं की गई। बीसीसीआई सूत्रों ने कहा,'' संजू दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे में खेलेगा क्योंकि चयनकर्ता जिंबाब्वे दौरे के बाद निरंतरता बनाए रखना चाहेंगे। इसके अलावा पंत को बाहर करने पर चर्चा नहीं हुई। वह शीर्ष क्रम में बाएं हाथ का एकमात्र बल्लेबाज है और जब उसका बल्ला चलता है तो वह अपने दम पर मैच जीत सकता है।

स्टार्क, स्टोइनिस और मार्श के बिना भारत दौरे पर पहुंचेगी ऑस्ट्रेलियाई टीम

मेलबर्न । भारत दौरे से पहले ही ऑस्ट्रेलियाई टीम को करारा झटका लगा है। उसके तीन खिलाड़ी फिट नहीं होने के कारण इस दौरे से बाहर हो गये हैं। इससे अगले माह होने वाले विश्व कप के लिए भी टीम की तैयारियों को झटका लगा है। टीम के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क, ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस और मिचेल मार्श ने भारत दौरे से अपना नाम वापस ले लिया है। इन तीनो की जगह नाथन एलिस, डेनियल सैम्स और सीन एबॉट को शामिल किया गया है। टिम डेविड भी इस दौरे से पदार्पण कर सकते हैं। वहीं स्टीव स्मिथ को नंबर-3 पर मौका मिल सकता है। बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने परिवार के साथ समय बिताने के कारण पहले ही इस दौरे से नाम वापस ले लिया था। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 6 दिन में 3 टी20 मुकाबले होंगे। दोनो ही टीमों के बीच सीरीज की शुरुआत 20 सितंबर को मोहाली में मुकाबले से होगी।

ऑस्ट्रेलिया ने टी20 विश्व कप के लिए लांच की नई स्वदेशी जर्सी

सिडनी । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अगले माह अक्टूबर-नवंबर में अपनी मेजबानी में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 के लिए टीम की जर्सी लांच कर दी है। विश्वकप 16 अक्टूबर से 13 नवंबर के बीच खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम इस साल के विश्व कप में स्वदेशी-थीम वाली किट पहनेगी। यह पहली बार होगा, जब ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम किसी ग्लोबल इवेंट में फर्स्ट नेशंस का प्रतिनिधित्व करने वाली जर्सी पहनेगी। मेजबान टीम विश्व कप में पहली बार स्वदेशी प्रेरित जर्सी पहनेगी। ऐसे में उसका लक्ष्य अपने टी20 खिताब को बरकरार रखना होगा। पिछले साल आईसीसी टी20 विश्वकप 2021 ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को हराया था। ऑस्ट्रेलियाई टीम की इस नई जर्सी में प्लेइंग टॉप के ट्रंक पर ब्लैक स्लीव्स के साथ-साथ ग्रीन और गोल्ड ढलान है। वही शर्ट के चारों ओर कलाकृति बनी हुई है। लंबी आस्तीन वाली जर्सी में आस्तीन पर विस्तारित गोल्डन और हरे रंग की कलाकृति दिखाई देगी। इस किट की पैंट काली होगी और एक टोपी में आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट आइलैंडर दोनों झंडे के रंग होंगे। इस किट को आंटी फियोना क्लार्क और कोर्टनी हेगेनो द्वारा डिजाइन किया गया है। इस जोड़ी ने पहले ऑस्ट्रेलिया द्वारा पहने गए अन्य स्वदेशी डिजाइनों पर एक साथ काम किया था। पिछले डिजाइनों की तरह इस बार भी वॉकबाउट विकेट्स कलाकृति प्रमुख रूप बन गई है। यह शर्ट के सामने की तरफ बीच में है।

श्रीलंका लीजेंड्स ने इंग्लैंड लीजेंड्स को 7 विकेट से हराया

जयसूर्या ने लिए सात विकेट

कानपुर (एजेंसी)।

सनथ जयसूर्या की घातक गेंदबाजी की सहायता से श्रीलंका लीजेंड्स ने यहां रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज के दूसरे ही मैच में इंग्लैंड लीजेंड्स को 7 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ही श्रीलंका लीजेंड्स ने टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत दर्ज की है। इस जीत के साथ ही श्रीलंका लीजेंड्स की टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है जबकि इंडिया लीजेंड्स दूसरे स्थान पर फिसल गयी है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड की टीम ने 19 ओवर में 78 रन बनाये। वहीं श्रीलंका की ओर से बाएं हाथ के स्पिनर जयसूर्या ने 4 विकेट लिए। इसके बाद श्रीलंका लीजेंड्स ने लक्ष्य को 14.3 ओवरों में ही तीन विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। इस मामले में लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम की ओर से कप्तान तिलकरत्ने दिलशान और दिलशान मुनावीरा ने अच्छी शुरुआत की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 24 रन बनाये। दिलशान 15 रन बनाकर आउट हुए। वहीं मुनावीरा 24 और उपुल थरंगा ने 23 रन बनाये। जीवन मेंडिस ने 8 रन बनाये जबकि चमारा सिल्वा खाता भी नहीं खोल पाये। वहीं इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज बल्लेबाज फिल मस्टर्ड और कप्तान इयान बेल ने पहले विकेट के लिए 25 रन बनाये। मस्टर्ड 14 और बेल 15 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद जयसूर्या ने किसी भी बल्लेबाज को खेलने का अवसर नहीं दिया। जयसूर्या ने 4 ओवर में केवल 3 रन देकर 4 विकेट लिए।

कप्तानी पर आजीवन प्रतिबंध को बदलने पर चर्चा करेंगे वॉर्नर और सीए

नई दिल्ली (एजेंसी)।

डेविड वॉर्नर आगामी हफ्तों में खुद की कप्तानी पर लगे आजीवन प्रतिबंध को समाप्त करने के लिये क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) से चर्चा करेंगे क्योंकि बोर्ड पूर्व वनडे कप्तान आरोन फिंच की जगह यह जिम्मेदारी किसी अन्य खिलाड़ी को सौंपना चाहता है। फिंच ने खराब फॉर्म के कारण रविवार को वनडे क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की जबकि अगले साल भारत में होने वाले 50 ओवर के विश्व कप के लिये महज 12 महीने का समय बचा है। टेस्ट कप्तान पैट कमिंस इस जिम्मेदारी को संभालने के लिये प्रबल दावेदार हैं, लेकिन यह निर्भर करेगा कि वह अपना कार्यभार संभाल सकेंगे या नहीं।

लेकिन वॉर्नर भी इस दौड़ में शामिल हो सकते हैं क्योंकि कई पूर्व और मौजूदा खिलाड़ियों ने उनके आजीवन प्रतिबंध को समाप्त करने की बात कही है। वॉर्नर ने 'फॉक्सस्पोर्ट्स डॉट कॉम एयू' से कहा, ''मैंने निक हॉकले से बात की है, हम मिलने की कोशिश करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''इस समय यह बहुत मुश्किल है लेकिन मुझे भरोसा है कि अगले दो हफ्तों में हम शायद ऐसा कर पायेंगे। लेकिन किसी भी चीज के लिये जल्दबाजी नहीं है।''

दक्षिण अफ्रीका में 2018 में गेंद से छेड़छाड़ प्रकरण के बाद पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ से कप्तानी छीन ली गयी और उन्हें दो वर्षों तक आस्ट्रेलिया की अगुआई करने से प्रतिबंधित कर दिया गया जबकि वॉर्नर को इससे कहीं कड़ी सजा दी गयी और उनकी कप्तानी पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया गया। वॉर्नर के लिये फिर से कप्तानी की जिम्मेदारी दिया जाना सम्मानजनक होगा। उन्होंने कहा, ''मेरी इस पर कोई चर्चा नहीं हुई है। लेकिन मुझे लगता है कि अगर कप्तानी का मौका मिलता है तो यह सम्मानजनक होगा।

भारतीय अंडर-17 टीम का सामना सैफ चैम्पियनशिप के फाइनल में नेपाल से

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम अपनी गलतियों से सबक लेकर बुधवार को यहां सैफ अंडर-17 चैम्पियनशिप के फाइनल में नेपाल से भिड़ेगी। भारतीय खेमा मैच की पूर्व संध्या पर आत्मविश्वास से लबरेज दिखा। मुख्य कोच बिबियानो फर्नांडिज ने कहा, ''हमने टूर्नामेंट की शुरूआत काफी अच्छी तरह से की। लेकिन यह थोड़ी नर्वस भरी रही। देश के लिये खेलते हुए यह खिलाड़ियों का पहला टूर्नामेंट है।'' उन्होंने कहा, ''नेपाल के खिलाफ नतीजा हमारे लिये सतर्क होने के लिये काफी था।

इस करारी शिकस्त के बाद खिलाड़ियों की प्रतिक्रिया काफी अच्छी रही। हमने अपनी कमजोरियों को पहचान कर उन पर काम किया। इस चुनौती को लेने के लिये हमें खिलाड़ियों को श्रेय देने की जरूरत है।'' भारतीय टीम ने अपने अभियान की शुरूआत भूटान के खिलाफ जीत से की लेकिन उन्हें दूसरे ग्रुप चरण मैच में नेपाल के हाथों 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। पर टीम ने सेमीफाइनल में बांग्लादेश के खिलाफ 2-1 से जीत दर्ज की। कोच ने जहां गलतियों को दूर करने के बारे में बात की, वहीं खिलाड़ी फाइनल में खुद को साबित करना चाहते हैं। कप्तान वानलापेका गुइटे ने कहा, ''हम नेपाल के खिलाफ हार के बाद काफी हताश थे। हम फिर से उनके खिलाफ मैच चाहते थे और फाइनल में अब हमें खुद को साबित करने का मौका मिला है।

ऋतु ने टिफनी की चुनौती स्वीकार की

नई दिल्ली । भारतीय महिला एमएमए फाइटर ऋतु फोगाट ने कहा है कि 29 सितंबर से एमएमए वन चैंपियनशिप में वह सिंगापुर की टिफनी टियो से मुकाबले के लिए तैयार हैं। ऋतु ने कहा कि उन्हें टिफनी की चुनौती तैयार है। वह इसी मुकाबले के लिए ही नहीं एमएमए में आगे भी मुकाबलों के लिए तैयार हैं। ऋतु ने कहा, मैं जल्दी ही बेल्ट लाकर दूंगी। भारत को जल्दी ही पहली महिला एमएमए विश्व चैंपियन मिलेगी।' ऋतु करीब 9 माह बाद रिंग में वापसी कर रही हैं। उन्होंने चोट से वापसी के लिए कड़ी मेहनत भी की है। टिफनी से एटमवेट मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स कैटेगरी में होने वाले मुकाबले के लिए ऋतु नए कोच एडम शार्यन की निगरानी में सिंगापुर में प्रशिक्षण ले रही हैं। दोनो के बीच यह मुकाबला सिंगापुर इंडोर स्टेडियम में होगा। ऋतु ने कहा कि वह वापसी को लेकर बेहद उत्साहित हैं। इस खिलाड़ी ने कहा कि वह ना सिर्फ इस मुकाबले में जीत के लिए आशान्वित हैं। बल्कि देशवासियों को यह भरोसा भी दिलाना चाहती हैं कि भारत को जल्दी ही पहली महिला एमएमए विश्व चैंपियन मिलेगी। ऋतु एमएमए फाइटर बनने से पहले पहलवान रही हैं। ऋतु ने राष्ट्रमण्डल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था।

रोनाल्डो के मैनचेस्टर में ही बने रहने की उम्मीद

लंदन । पुर्तगाल के कप्तान और मैनचेस्टर यूनाइटेड के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो को सऊदी अरब के एक क्लब ने एक बड़ा प्रस्ताव दिया है। इसमें उन्हें दो वर्षों के लिए 233.23 मिलियन पाउंड की रकम देने की बात कही है। रोनाल्डो का मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ अगली गर्मियों तक के लिए करार है। उन्होंने क्लब से कहा है कि वह नए सत्र से पहले क्लब छोड़ना चाहते हैं पर रोनाल्डो के सऊदी अरब के क्लब में जाने की संभावनाएं नहीं हैं। इसका कारण यह है कि वह अगले सत्र में भी चैंपियंस लीग में खेलना चाहते हैं।

मुंबई इंडियंस ने जयवर्धने और जहीर को सौंपी नई जिम्मेदारी

मुंबई (एजेंसी)।

मुंबई इंडियंस ने वैश्विक क्रिकेट में अपनी पहचान को और मजबूत करने के लिए एक केंद्रीय टीम का गठन किया है जिसमें दिग्गज खिलाड़ी महेला जयवर्धने और जहीर खान को नयी जिम्मेदारियों के साथ शामिल किया गया है।

मुंबई इंडियंस ने बुधवार को यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, 'एमआई अमीरात और एमआई केप टाउन की टीमों के जुड़ने से 'एमआई परिवार' बड़ा हो गया है। मुंबई इंडियंस के विस्तार के साथ टीम प्रबंधन ने एक ऐसे केंद्रीय टीम की आवश्यकता महसूस की जो व्यवहार, मूल्यों और सीखने-सिखाने में निरंतरता को सुनिश्चित कर सके।' फ्रेंचाइजी ने बताया कि महेला जयवर्धने को केंद्रीय टीम में 'ग्लोबल हेड ऑफ परफॉर्मेंस' बनाया गया है। वह दुनिया भर में मुंबई इंडियन्स समूह के क्रिकेट कार्यों की देख-रेख करेंगे।

इसमें समग्र रणनीतिक योजना बनाना, एक एकीकृत वैश्विक 'हाई परफॉर्मेंस ईको-सिस्टम' का निर्माण करना और प्रत्येक टीम की कोचिंग एवं सपोर्ट 'स्टाफ की जिम्मेदारी शामिल है। साथ ही वह टीम के मुख्य कोचों के साथ मिलकर टीमों में तालमेल को भी सुनिश्चित करेंगे। विज्ञप्ति के अनुसार ज़हीर खान को एमआई का 'ग्लोबल हेड ऑफ क्रिकेट डेवलपमेंट' नियुक्त किया गया है। उनपर खिलाड़ियों के खेल में निखार लाने के जिम्मेदारी होगी।

दुनिया भर में प्रतिभाओं की पहचान करना, उन्हें संवार कर आगे बढ़ाना ज़हीर काम का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। रिलायंस जियो इन्फोकॉम के चेयरमैन आकाश अंबानी ने इस मौके पर कहा, 'मैं महेला जयवर्धने और ज़हीर खान को हमारी वैश्विक कोर टीम के हिस्से के रूप में पाकर बेहद खुश हूं। दोनों एमआई परिवार का एक अभिन्न हिस्सा रहे हैं और क्रिकेट एमआई की भावना का प्रतीक हैं। मुझे विश्वास है कि वे विश्व स्तर पर हमारी सभी टीमों के माध्यम से समान प्रवाह सुनिश्चित करने में सक्षम होंगे और दुनिया भर में क्रिकेट के ईको-सिस्टम में बदलाव लाएंगे।'

जयवर्धने ने कहा, 'एमआई के वैश्विक क्रिकेट संचालन का नेतृत्व करना मेरे लिए सम्मान की बात है। श्रीमती अंबानी और आकाश के नेतृत्व और मार्गदर्शन ने एमआई को दुनिया की सबसे मूल्यवान क्रिकेट फ्रैंचाइज़ी बना दिया है और मैं एमआई को विश्व स्तर पर बढ़ते हुए देखकर बहुत खुश हूं। मैं क्रिकेट के एक

मजबूत एकजुट वैश्विक ब्रांड के निर्माण के लिए इस नयी जिम्मेदारी के लिए तैयार हूं।'

जहीर ने ग्लोबल हेड ऑफ क्रिकेट डेवलपमेंट की जिम्मेदारी मिलने के बाद कहा, 'मैं इस नयी भूमिका को विनम्रता से स्वीकार करता हूं और मुझ पर विश्वास करने के लिए नीता अंबानी और आकाश को धन्यवाद देता हूं। एक खिलाड़ी के रूप में और एक कोचिंग टीम के सदस्य के रूप में एमआई मेरे लिए एक घर की तरह है, और अब जब हम एक नयी यात्रा शुरू कर रहे हैं, तो मैं वैश्विक नेटवर्क में सभी हितधारकों के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार हूं ताकि नयी क्षमता का पता लगाया जा सके।'

राहुल गांधी का मोदी पर बड़ा आरोप, कहा- पीएम ने चीन को बिना लड़ाई के 1000 वर्ग किमी जमीन दी है

नई दिल्ली, 14 सितम्बर (एजेन्सी)। लद्दाख में भारत और चीन की सेनाओं के पीछे हटने की खबरों के बाद, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर अप्रैल 2020 की यथास्थिति बहाल नहीं करने के लिए केंद्र सरकार पर हमला बोला।

राहुल ने कहा, 'चीन ने अप्रैल 2020 की यथास्थिति बहाल करने की भारत की मांग को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। पीएम ने बिना लड़ाई के चीन को 1000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र दे दिया है। क्या भारत सरकार बता सकती है कि इस क्षेत्र को कैसे फिर से प्राप्त किया जाएगा?'

सरकारी सूत्रों ने मंगलवार को कहा कि, भारत और चीन के बीच लद्दाख सेक्टर में प्रमुख फ्लैशप्वाइंट पर दोनों सेनाएं पूरी तरह से पीछे हट गई है।

महीनों की बातचीत और 16 राउंड की कोर कमांडर मीटिंग के बाद यह प्रक्रिया 8 सितंबर को शुरू हुई थी। सूत्रों के अनुसार मई 2020 के घर्षण के बाद दोनों पक्ष पीछे हट गए हैं।

सूत्रों ने बताया कि, दोनों पक्षों ने जमीनी कमांडरों द्वारा एलएसी पर अपनी पोस्ट का सत्यापन कर लिया है।

सूत्रों के अनुसार भारत और चीन दोनों ने पूर्वी लद्दाख में गोगरा-हॉटस्प्रिंग्स क्षेत्र में पीपी-15 के आमने-सामने के स्थान से अपने अग्रिम पंक्ति के सैनिकों को पीछे की ओर ले गई और पांच दिवसीय विघटन प्रक्रिया के हिस्से के रूप में वहां अस्थायी बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने बीसीसीआई संविधान में संशोधन की अनुमति दी

नई दिल्ली, 14 सितम्बर (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की 'कूलिंग आफ पीरियड' की आवश्यकता को देखते हुए दायर की गयी याचिका पर संविधान में प्रस्तावित संशोधनों की अनुमति दे दी। पदाधिकारियों के लिए कूलिग-आफ पीरियड बीसीसीआई या राज्य संघ स्तर पर लगातार दो कार्यकाल के बाद शुरू होगा।

पदाधिकारियों के पास अब एक बार में अधिकतम 12 साल तक पद पर बने रहने का अधिकार होगा। राज्य संघ के स्तर पर दो तीन साल के कार्यकाल और बीसीसीआई में दो तीन साल के कार्यकाल और इसके बाद, कूलिंग-आफ पीरियड लागू होगा।

बीसीसीआई का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ और हिमा कोहली के सामने दलील दी कि खंड 6 जैसा कि शीर्ष अदालत द्वारा अनुमोदित किया गया है, यह दर्शाता है कि एक व्यक्ति जिसने राज्य क्रिकेट संघ के स्तर पर एक कार्यकाल के बाद बीसीसीआई में एक कार्यकाल पूरा किया है, उन्हें तीन साल के कूलिंग आफ पीरियड से गुजरना होगा।

इसलिए, बीसीसीआई में केवल एक कार्यकाल के बाद कूलिंग आफ पीरियड लागू होगा। सुनवाई के दौरान, मेहता ने पीठ के समक्ष तर्क प्रस्तुत किया था कि खेल को आगे बढ़ाने के लिए नेतृत्व के गुणों को साबित करने के लिए तीन साल बहुत कम समय अवधि है और मौजूदा संविधान में इस प्रावधान को संशोधित करने का आग्रह किया, ताकि यह प्रतिबिंबित हो सके कि यह एक कार्यकाल के बाद प्रभावी हो। पदाधिकारी ने लगातार दो कार्यकाल पूरे किए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने मामले में वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह, न्याय मित्र की दलीलों पर गौर किया कि कूलिंग आफ पीरियड को अध्यक्ष और सचिव तक सीमित रखने का कोई औचित्य नहीं है और इसे बीसीसीआई के सभी पदाधिकारियों पर लागू किया जाना चाहिए।

बीसीसीआई द्वारा संविधान में प्रस्तावित संशोधनों को स्वीकार करते हुए, कोर्ट ने कहा कि यह विचार है कि यह कूलिंग-आफ पीरियड की भावना और उद्देश्य को कमजोर नहीं करेगा, अगर किसी व्यक्ति ने बीसीसीआई में दो कार्यकाल पूरा कर लिया है या राज्य संघ स्तर तक तो उन्हें आगे भी करना होगा। बीसीसीआई ने अपने अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव जय शाह सहित अपने पदाधिकारियों के कार्यकाल के संबंध में अपने संविधान में संशोधन करने की मांग की और राज्य क्रिकेट संघों, बीसीसीआई के पदाधिकारियों के कार्यकाल के बीच अनिवार्य कूलिंग-आफ पीरियड को हटा दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने न्यायमूर्ति आर.एम. लोढ़ा के नेतृत्व वाली समिति की सिफारिश को स्वीकार किया।

पेटीएम पेयू और अन्य पेमेंट गेटवे कार्यालयों पर ईडी ने की ताजा छापेमारी

नई दिल्ली, 14 सितम्बर (एजेन्सी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) चीनी ऋण ऐप से संबंधित एक मामले के संबंध में पेमेंट गेटवे यानी पेटीएम और पेयू से संबंधित कई स्थानों पर छापेमारी कर रहा है।

सूत्रों ने बताया कि मुंबई, दिल्ली, गुरुग्राम, लखनऊ और कोलकाता में छापेमारी चल रही है। ईडी ने इस मामले पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है।

3 सितंबर को रेजरपे प्राइवेट लिमिटेड, कैशफ्री पेमेंट्स और पेटीएम पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड सहित ऑनलाइन पेमेंट गेटवे के परिसरों पर छापे मारे गए थे। यह मामला साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन, बेंगलुरु सिटी द्वारा दर्ज की गई 18 प्राथमिकी पर आधारित है, जिसमें उन संस्थाओं द्वारा चलाए जा रहे मोबाइल ऐप के माध्यम से छोटे ऋण लेने वाली जनता के जबरन वसूली और उत्पीड़न में शामिल होने के लिए कई लोगों के खिलाफ दर्ज की गई है। ईडी ने कहा, 'पूछताछ के दौरान, यह सामने आया था कि इन संस्थाओं को चीनी व्यक्तियों द्वारा संचालित किया जाता है। इन संस्थाओं की कार्यप्रणाली यह है कि भारतीयों के जाली दस्तावेजों का उपयोग करके और उन्हें उन संस्थाओं के डमी निदेशक बनाकर, वे अपराध की आय उत्पन्न कर रहे हैं।' ईडी ने कहा था कि उनके संज्ञान में आया है कि ये संस्थाएं पेमेंट गेटवे/बैंकों के पास मौजूद विभिन्न मर्चेंट आईडी/खातों के जरिए अपना संदिग्ध कारोबार कर रही थीं।

रेजरपे प्राइवेट लिमिटेड, कैशफ्री पेमेंट्स, पेटीएम पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड और चीनी व्यक्तियों द्वारा नियंत्रित/संचालित संस्थाओं के परिसरों को तलाशी अभियान में शामिल किया गया था। ईडी अधिकारी ने कहा, 'तलाशी अभियान के दौरान, यह पाया गया कि उक्त संस्थाएं भुगतान गेटवे/बैंकों के पास रखे गए विभिन्न मर्चेंट आईडी/खातों के माध्यम से अपराध की आय अर्जित कर रही थीं और वे एमसीए की वेबसाइट/पंजीकृत पते पर दिए गए पते से भी काम नहीं कर रही हैं और नकली पते हैं। इन चीनी व्यक्तियों द्वारा नियंत्रित संस्थाओं के मर्चेंट आईडी और बैंक खातों में 17 करोड़ रुपये की राशि जब्त की गई है।'

तलाशी अभियान अभी भी जारी है।

ममता की अगुवाई में कानून विहीन दिवालिया प्रदेश बना पश्चिम बंगाल : रविशंकर प्रसाद

नई दिल्ली, 14 सितम्बर (एजेन्सी)। बंगाल में पुलिस अत्याचार के जरिए भाजपा के मार्च को दबाने का आरोप लगाते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा के दिग्गज नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा है कि बंगाल की सरहद के बाहर लोकतंत्र को बचाने की बात करने वाली ममता बनर्जी ने बंगाल के अंदर लोकतांत्रिक अधिकारों के हनन में सारी सरहदें पार कर दी हैं।

रविशंकर प्रसाद ने तृणमूल का मतलब बताते हुए ममता बनर्जी को अपनी पार्टी का नाम बदलने की नसीहत भी दी। प्रसाद ने राज्य सरकार द्वारा किए गए अत्याचार की वजह से भाजपा के एक हजार कार्यकर्ता के घायल होने, चार सौ के अस्पताल में जाकर इलाज कराने और गंभीर रूप से घायल तीस कार्यकर्ता के अभी भी अस्पताल में भर्ती होने की बात कहते हुए चेतावनी दी कि इसके बावजूद तृणमूल कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ भाजपा का आंदोलन जारी रहेगा और भाजपा हर संवैधानिक प्रक्रिया का उपयोग करेगी।

बंगाल में मंगलवार को अत्याचार और राजनीतिक आंतरिक हनन की प्रकाष्ठा होने का आरोप लगाते हुए प्रसाद ने पूछा कि ममता बनर्जी सरकार भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी हुई है, भारी मात्रा में कैश बरामदगी हो रही है, जांच एजेंसियां जांच कर रही है और अदालत से भी इनको राहत नहीं मिल रही है तो ऐसे में इनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन क्यों नहीं होना चाहिए ?

भाजपा मुख्यालय में मीडिया से बात करने के दौरान उन्होंने भाजपा के प्रदर्शन के दौरान महिला नेताओं की पिटाई का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा के प्रदर्शन के दौरान रास्ते बंद करवा दिए गए, आने से रोका गया, भाजपा कार्यकर्ताओं की यहां तक कि महिला कार्यकर्ताओं और नेत्रियों की भी पिटाई की गई। प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और सांसदों के साथ कैसा व्यवहार किया गया, यह पूरे देश ने देखा है। उन्होंने सवाल पूछते हुए कहा कि भाजपा सरकार के खिलाफ पेटिशन देने वाले रिटायर्ड ब्यूरोक्रेट, मानवाधिकार की बात करने वाले संगठन और लोकतंत्र को लेकर भाजपा सरकार पर हमला करने वाले बड़े-बड़े नेता आज चुप क्यों हैं ?

रविशंकर प्रसाद ने ममता बनर्जी पर सीधा निशाना साधते हुए कहा कि बंगाल बौद्धिक परंपरा, सांस्कृतिक परंपरा वाला प्रदेश रहा है। लेकिन ममता जी की अगुवाई में कानून विहीन दिवालिया प्रदेश बन गया है। उन्होंने कहा कि लेफ्ट सरकार के कार्यकाल में ममता बनर्जी ने स्वयं पुलिस अत्याचार और लेफ्ट सरकार के दमन को झेला था लेकिन वो सब भूलकर आज लेफ्ट से भी अधिक अत्याचार भाजपा के ऊपर कर रही है।

उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के आंतरिक विवाद को लेकर कटाक्ष करते हुए कहा कि क्या पार्टी के आंतरिक मतभेदों की वजह से और पार्टी पर अपनी पकड़ कमजोर होते जाने की वजह से ममता बनर्जी भाजपा पर अत्याचार कर रही है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि ममता बनर्जी जितना अधिक भाजपा को रोकने की कोशिश करेगी , भाजपा राज्य में उतनी ही अधिक मजबूत होगी।

बागवानी महाविद्यालय ने किया हिन्दी दिवस का आयोजन

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 14 सितम्बर । बागवानी महाविद्यालय वार्मिक सिक्किम द्वारा 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अध्यक्ष डॉ अजय कुमार पाण्डेय तथा मुख्य अतिथि सुश्री नीलम सिंह (मंजुश्री पब्लिक स्कूल) उनके साथ श्री अरुण लामा (मंजुश्री पब्लिक स्कूल) भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में अध्यक्ष ने हिन्दी भाषा की दशा-दिशा के ऊपर प्रकाश डाला जबकि सुश्री नीलम सिंह और अरुण लामा द्वारा भी हिन्दी के विकास पर प्रकाश डाला।

विद्यार्थियों द्वारा हिन्दी सहगान तथा सोनक मजुमदार द्वारा हिन्दी भाषा के प्रति विचार रखा गया।कार्यक्रम का संचालन डॉ दीपिका शर्मा द्वारा किया गया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ विक्टोरिया देवी के द्वारा किया गया। इस प्रकार हिन्दी दिवस बागवानी महाविद्यालयमें सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

हिन्दी में काम करना हमारा नैतिक एवं संवैधानिक दायित्व : सी.आर. दास

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 14 सितम्बर । एनएचपीसी के तीस्ता-V पावर स्टेशन में इसके ग्रुप महाप्रबंधक तथा परियोजना प्रमुख सीआर दास ने आज हिन्दी पखवाड़े की शुरुआत की। हिन्दी पखवाड़े का विधिवत उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया गया।

हिन्दी दिवस के अवसर पर अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में श्री सीआर दास ने हिन्दी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा हिन्दी का प्रयोग करना तथा इसके प्रचार-प्रसार में अपना योगदान देना हमारा नैतिक एवं संवैधानिक कर्तव्य है। उन्होंने सभी अधिकारियों से अपील की कि सभी हिन्दी में काम करने के दायित्व को समझें और पावर स्टेशन में हिन्दी की उतरोत्तर वृद्धि में अपना योगदान दें।

हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में और पावर स्टेशन के सभी कार्मिकों को हिन्दी में कार्य करने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से परियोजना प्रमुख द्वारा एक संदेश भी जारी किया गया। उद्घाटन के अवसर पर पावर स्टेशन के महाप्रबंधक (विद्युत) श्री जितेंद्र कुमार के साथ-साथ सभी वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। हिन्दी पखवाड़े का आयोजन भारतीय भाषाओं के सौहार्द के रूप में किया जा रहा है। इस अवधि में विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताएं और कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सिक्किम फिल्म प्रमोशन बोर्ड की अध्यक्ष ने आईपीआर मंत्री से की मुलाकात

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 14 सितम्बर । सिक्किम फिल्म प्रमोशन बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती पूजा शर्मा ने एसएफपीबी के अधिकारियों और राज्य के फिल्म कलाकारों के साथ आज आईपीआर मंत्री बीएस पंथ से उनके कार्यालय में मुलाकात की। उन्होंने मंत्री को खादा लगाकर आईपीआर विभाग के मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के लिए बधाई दी।

बैठक के दौरान, कलाकारों ने अपनी शिकायतें रखीं और उन मुद्दों पर भी प्रकाश डाला, जिनका वे दिन-प्रतिदिन सामना करते हैं।

मंत्री ने सभी बिंदुओं को नोट किया और मामले को प्राथमिकता के आधार पर देखने का आश्वासन दिया।

श्रीमती पूजा शर्मा ने भी बोर्ड के कामकाज से अवगत कराया और बोर्ड की गतिविधियों पर चर्चा की। मंत्री ने उनकी समस्याओं के समाधान के लिए उचित कदम उठाने का भरोसा दिलाया।

केंद्रीय मंत्री ने की राज्यपाल से मुलाकात

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 14 सितम्बर । केंद्रीय श्रम व रोजगार तथा पर्यावरण व प्राकृतिक गैस मंत्री रामेश्वर तेली ने आज यहां सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद से मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ राज्य के श्रम मंत्री लोक नाथ शर्मा तथा नुमालीगढ़ रिफाइनरी, असम के स्वतंत्र निदेशक सुदीप प्रधान भी थे।

इस मुलाकात के दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री और राज्यपाल ने राज्य में श्रम, रोजगार तथा प्राकृतिक गैस से सम्बंधित विषयों पर चर्चा की। साथ ही दोनों ने सिक्किम में बोटलिंग प्लांट के बारे में भी बातचीत की। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने तेली ने राज्यपाल को उनके अच्छे स्वास्थ्य की शुभकामनाएं भी दीं।

गुलाब नबी ने की मोहन भागवत की तारीफ, कांग्रेस पर बरसे, बताया अपना अजेंडा

नई दिल्ली, 14 सितम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस से अलग होने के बाद से ही गुलाम नबी आजाद को लेकर सियासी गलियारों में चर्चा है कि वह जम्मू-कश्मीर में भाजपा के साथ गठबंधन कर सकते हैं। उन्होंने पहले भी कहा था कि अनुच्छेद 370 को लेकर वह कश्मीर के लोगों से कोई वादा नहीं करना चाहते। अब उन्होंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की तारीफ की है। अयोध्या और ज्ञानवापी के मसले पर बात करते हुए आजाद ने कहा, मुझे नहीं पता कि भाजपा या आरएसएस के किसी नेता ने कहा कि हर मस्जिद को तोड़ना है। कुछ चीजें आरएसएस के लोगों की स्वागत करने योग्य हैं। मोहन भागवत ने कहा था कि हर मस्जिद तोड़ी नहीं जा सकती।

भूपेश बघेल ने आरोप लगाया था कि गुलाम नबी के प्रति भाजपा पहले से ही नर्म रही है। इसपर आजाद ने कहा, वह नए-नए मुख्यमंत्री बने हैं। उनका कसूर नहीं है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के तीन मुख्यमंत्रियों को नजरबंद किया गया था क्योंकि वे वहां थे। एहतियात के तौर पर उन्हें नजरबंद किया गया था। लेकिन मैं कश्मीर में नहीं दिल्ली में था। मैं दिल्ली में कौन सा प्रदर्शन करता?

एबीपी न्यूज से बात करते हुए गुलाम नबी आजाद ने कहा कि जब हमने पार्टी में सुधार लाने की कोशिश की कांग्रेस अध्यक्ष को पत्र लिखा तो जवाब उल्टा-सीधा आया। उन्होंने कहा, वर्चुअल मीटिंग के दौरान लीडर ने कहा कि यह लेटर मोदी ने लिखा है। मैंने कहा कि मोदी साहब ये क्यों लिखेंगे कि कांग्रेस के स्थायी अध्यक्ष चाहिए और इसे मजबूत करो। आजाद ने कहा, मुझे कांग्रेस वालों ने भाजपा का राष्ट्रपति बना दिया, उपराष्ट्रपति बना दिया। उन्होंने सपने बेचकर मुझे बदनाम करने की कोशिश की लेकिन जब आंख खुली तो वह सब झूठ था।

इस्तीफा देते वक्त गुलाम नबी आजाद ने सोनिया गांधी को पत्र लिखा था और कहा था कि जो डॉक्टर है दरअसल वह कंपाउंडर है। उनका इशारा राहुल गांधी की ओर था।

अब उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने व्यक्तिगत रूप से मुझे कभीअपमानित नहीं किया लेकिन लीडरशिप में कमी है। कांग्रेस खत्म हो रही है। भारत जोड़ यात्रा को लेकर उन्होंने कहा कि रोड नापने से कुछ नहीं मिलने वाला है। उन्होंने कहा कि इसमें भी लीडर विजिबल नहीं हैं। वह ऐसे हैं जैसे कि फिल्मों में कोई किरदार कुछ समय के लिए अचानक आ जाता है।

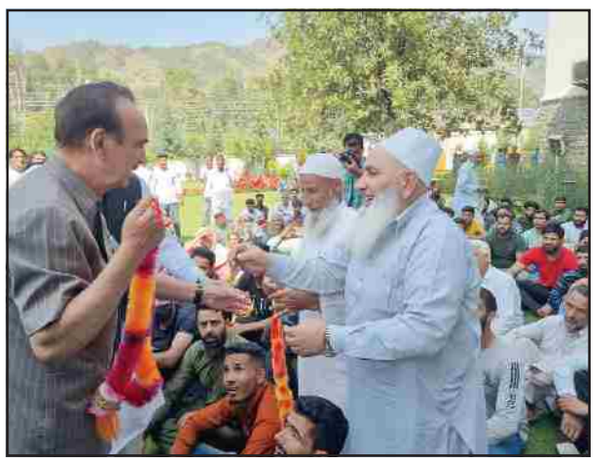

गुलाम नबी आजाद ने कहा कि उनका अजेंडा किसी पार्टी को खत्म करना नहीं है। उन्होंने कहा, मैंने आर्टिकल 370 का नाम लेकर किसी को बेवकूफ नहीं बनाया है। हमने अपने तीन मुद्दे बता दिए हैं। उन्होंने कहा, मेरी पार्टी का नाम और नया झंडा सब सामने आएगा। लेकिन मैं किसी पर अटैक नहीं करने जा रहा हूं।

डियर साप्ताहिक लॉटरी

उत्तर 24 परगना निवासी ने ₹1 करोड़ जीते

उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल के श्री बिट्टू गारोदिया ने **12.08.2022** को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नंबर **77K 20325** है। "डियर लॉटरी ने मुझे एक करोड़पति बना कर एक नयी उम्मीद और ऊर्जा प्रदान की है। जब मुझे यह मालूम हुआ कि मैं एक करोड़पति बन गया हूं तो काफी आश्चर्यचकित हो गया। मैं अपने हृदय से डियर लॉटरी तथा नागालैंड स्टेट लॉटरीज को धन्यवाद देता हूं। मैं हमारे समाज के सभी लोगों को डियर लॉटरी खरीद कर अपनी किस्मत आजमाने की सलाह देता हूं। मैं इस बड़ी पुरस्कार राशि का उपयोग बेहतर स्रोतों में निवेश के द्वारा अपने परिवार की बेहतरी हेतु करूंगा।" विजेता ने कहा। डियर लॉटरी के ड्रॉ लाइव दिखाये जाते हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com